Q1. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

	सूची I	**सूची II**
1.	पट्टचित्र पेंटिंग	बिहार
2.	पैटकर पेंटिंग	झारखंड
3.	थंगका पेंटिंग	गुजरात
4.	मंजूषा पेंटिंग	ओडिशा

उपर्युक्त में सा/से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (a)

व्याख्या:

युग्म 1 गलत है: पट्टचित्रा चित्रकला ओडिशा की एक पारंपरिक चित्रकला है, पट्टचित्र नाम संस्कृत शब्द पट्टा से आया है, जिसका अर्थ है कैनवास/कपड़ा, और चित्र का अर्थ है तसवीर।

युग्म 2 सही है: पैटकर चित्रकला या स्क्रॉल चित्रकला को देश में चित्रकला की प्राचीन कलाओं में से एक माना जाता है। इसे झारखंड के आदिवासी लोगों द्वारा बनाया जाता है।

युग्म 3 गलत है: थांगका का उपयोग मूल रूप से श्रद्धा के माध्यम के रूप में किया गया था जिसने बौद्ध धर्म के उच्चतम आदर्शों को उद्घाटित किया। वर्तमान में यह सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख क्षेत्र और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित हैं।

युग्म 4 गलत है: मंजूषा चित्रकला बिहार के भागलपुर क्षेत्र से संबंधित है। इसे अंगिका कला के रूप में भी जाना जाता है, जहां 'अंग' महाजन पद में से एक को संदर्भित करता है।

Q2. भारतीय स्कूल के दर्शन के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

सूची I	**सूची II**
योग	ध्यान और योग तकनीकों का शारीरिक अनुप्रयोग
सांख्य	मोक्ष प्राप्ति हेतु तार्किक सोच
मीमासा	वेद में शाश्वत सत्य समाहित है
वेदांत	ब्रह्म ही जीवन का सत्य है

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं??

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

युग्म 1 सही है: योग दर्शन का शाब्दिक अर्थ है दो प्रमुख संस्थाओं का मिलन। इस दर्शन के अनुसार मनुष्य ध्यान और योग तकनीकों के शारीरिक अनुप्रयोग के संयोजन से मोक्ष प्राप्त कर सकता है।

युग्म 2 गलत है: यह दर्शनशास्त्र का सबसे पुराना दर्शन है और इसका प्रतिपादन कपिल मुनि ने किया था, कपिल मुनि के बारे में माना जाता है कि उन्होंने सांख्य सूत्र की रचना की थी। यह दर्शन वास्तविकता को दो स्वतंत्र सिद्धांतों, पुरुष ('चेतना' या आत्मा) और प्रकृति (मानव मन और भावनाओं सहित प्रकृति या पदार्थ) से निर्मित मानता है।

युग्म 3 सही है: 'मीमांसा' शब्द का शाब्दिक अर्थ तर्क, व्याख्या और अनुप्रयोग की कला है। यह दर्शन संहिता और ब्राह्मण के ग्रंथों के विश्लेषण पर केंद्रित है जो वेदों के भाग हैं।

युग्म 4 सही है: वेदांत दो शब्दों से बना है- 'वेद' और 'अंत', यानी वेदों का अंत। यह विद्यालय उपनिषदों में वर्णित जीवन दर्शन का समर्थन करता है। इस दर्शन का आधार बनने वाला सबसे पुराना ग्रंथ बादरायण का ब्रह्मसूत्र था। दर्शन प्रतिपादित करता है कि ब्रह्म ही जीवन की वास्तविकता है और बाकी सब कुछ असत्य या माया है

Q3. निम्न पर विचार कीजिए:

1. चरक संहिता
2. सुश्रुत संहिता
3. रसचिकित्सा पद्धति
4. अथर्ववेद

उपर्युक्त में से कौन सा/से चिकित्सा से संबंधित हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अथर्ववेद पहला ग्रन्थ था जिसमें रोगों का, उनके इलाज और औषधियों के बारे में उल्लेख मिलता है। इसके अनुसार, बीमारियाँ राक्षसों और आत्माओं के मानव शरीर में प्रवेश करने के कारण होती हैं और इन्हें जादुई आकर्षण और मंत्रों से ठीक किया जा सकता है। अथर्ववेद में कई बीमारियों का इलाज बताया गया है जिनमें दस्त, घाव, खांसी, कुष्ठ, बुखार और दौरे शामिल हैं।
- चरक संहिता मुख्य रूप से औषधीय प्रयोजनों के लिए पौधों और जड़ी-बूटियों के उपयोग से संबंधित है। एक तरह से यह मुख्य रूप से आयुर्वेद को एक विज्ञान के रूप में प्रस्तुत करता है जिसका विवरण आठ पुस्तकों में विभाजित है।
- सुश्रुत संहिता शल्यक्रिया और प्रसूति विज्ञान की व्यावहारिक समस्याओं से संबंधित है। सुश्रुत ने मानव शव की सहायता से शरीर रचना विज्ञान का बहुत विस्तार से अध्ययन किया।
- रसचिकित्सा प्रणाली खनिज औषधियों का उपयोग करके रोगों के उपचार से संबंधित थी। यूनानी चिकित्सा पद्धति भारत में अली-इब्न-रब्बान द्वारा लिखित पुस्तक फिरदौस-अल-हिक्मा के साथ आई। **अत: विकल्प (d) सही है।**

Q4. रावणछाया कठपुतली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध छाया कठपुतलियों में से एक है।
2. इन कठपुतलियों में अनेक जोड़ होते हैं।

3. कठपुतलियाँ हिरण की चर्म से बनी होती हैं

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- नाटकीय रूप से सबसे रोमांचक उड़ीसा की रावणछाया कठपुतली है। इन कठपुतलियो में कोई जोड़ नहीं होता है। ये रंगीन नहीं हैं, इसलिए स्क्रीन पर अपारदर्शी छाया दर्शाते हैं। इन्हे घुमाने के लिए बहुत निपुणता की आवश्यकता होती है, क्योंकि इनमें कोई जोड़ नहीं होते हैं। कठपुतलियाँ हिरण की खाल से बनी हुई होती हैं और नाटकीय मुद्राओं में कल्पना की जाती हैं। मानव और पशु पात्रों के अलावा, कई सहारा जैसे पेड़, पहाड़, रथ आदि का भी उपयोग किया जाता है। रावणछाया कठपुतलियाँ आकार में दो फीट से अधिक छोटी होती हैं और उनके कोई जुड़े हुए अंग नहीं होते हैं, वे बहुत संवेदनशील और गीतात्मक छाया बनाते हैं। **अत: विकल्प (a) सही है।**

Q5. निम्नलिखित मार्शल आर्ट पर विचार कीजिए:

1. कलारीपयट्टु
2. सिलंबम
3. थांग ता

उपर्युक्त में से कितनी मार्शल आर्ट महिलओं द्वारा प्रदर्शन की जाती हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कलारीपयट्टू करने वाली महिलाओं में से अधिकांश उन परिवारों से संबंधित हैं, जो इसके अभ्यास और प्रदर्शन में विरासत का दावा करते हैं और पारंपरिक रूप से कलारीपयट्टू का अभ्यास करते हैं। इन महिलाओं के पास अपनी कलारी भी हैं और वे कलारी और मंच दोनों पर अपने परिवार के पुरुष सदस्यों के साथ अभ्यास और प्रदर्शन करती हैं।
- सिलंबम तमिलनाडु का मार्शल आर्ट पर आधारित एक पारंपरिक हथियार है। इसका प्रदर्शन पुरुष और महिला दोनों करते हैं।
- थांग-टा मणिपुर की एक प्रसिद्ध मार्शल आर्ट है। इसका प्रदर्शन पुरुष और महिला दोनों द्वारा किया जाता हैं। **अत: विकल्प (c) सही है।**

Q6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में यूनानी राजा अपने सिक्कों पर पाली भाषा का प्रयोग करते थे।
2. सातवाहन राजा अधिकतर अपने सिक्कों के लिए सामग्री के रूप में सीसे का उपयोग करते थे।
3. गुप्त शासकों ने सम्राटों को केवल मार्शल गतिविधियों में चित्रित करने वाले सिक्के जारी किए थे।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: भारत में यूनानी राजाओं के सिक्के द्विभाषी थे, अर्थात अग्रभाग पर ग्रीक में और पश्च भाग पर पाली भाषा (खरोष्ठी लिपि में) में लिखा हुआ था

कथन 2 सही है: सातवाहन वंश का शासनकाल 232 ईसा पूर्व से 227 ईस्वी तक था। सातवाहन शासक ज्यादातर अपने सिक्कों के लिए सीसे का उपयोग सामग्री के रूप में करते थे। चाँदी के सिक्के दुर्लभ थे। सीसे के अलावा, उन्होंने चांदी और तांबे के एक मिश्र धातु का उपयोग किया जिसे 'पोटिन' कहा जाता है।

कथन 3 गलत है: गुप्त शासकों द्वारा जारी किए सिक्को में, जिनमें सम्राटों को न केवल शेर/बाघ का शिकार करना, हथियारों के साथ चित्रों के रूप आदि जैसी मार्शल गतिविधियों में दर्शाया गया था, बल्कि वीणा बजाने जैसी आरामदायक गतिविधियों में भी दिखाया गया था| सिक्के के पश्च भाग में देवी लक्ष्मी, दुर्गा, गंगा, गरुड़ और कार्तिकेय सम्राटों की छवि अंकित थीं।

Q7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जैन साहित्य केवल प्राकृत और संस्कृत भाषा में है।
2. कर्मप्रभारीत श्वेतांबर संप्रदाय का एक पवित्र ग्रंथ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: प्राकृत और अर्ध मागधी भाषा में लिखने के अलावा, जैन भिक्षुओं ने युग, क्षेत्र और उन्हें समर्थन देने वाले संरक्षकों के आधार पर कई अन्य भाषाओं में भी ग्रंथो/पुस्तको की रचना की। उन्होंने दक्षिण भारत में संगम युग के दौरान तमिल भाषा में भी ग्रंथो/पुस्तको की रचना की। उन्होंने संस्कृत, शौरसेनी, गुजराती और मराठी में भी रचना की।

कथन 2 गलत है: जैन धर्म की दिगंबर शाखा ने दो कार्यों को पवित्र दर्जा दिया: कर्मप्राभृत (कर्म पर चर्चा) या षट्खंडागम और कषायप्राभृत।

Q8. सिंह स्तम्भ, सारनाथ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में निर्मित है।
2. मुकुट चक्र वाली राजधानी को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।
3. शीर्ष फलक पर एक बैल, एक घोड़े, एक बाघ और एक हाथी की छवियों को जटिल रूप से उकेरा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: सारनाथ में बुद्ध द्वारा प्रथम उपदेश या धम्मचक्रप्रवर्तन की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में, स्तंभ का निर्माण अशोक द्वारा कराया था।

कथन 2 गलत है: मुकुट चक्र और कमल के आधार के बिना स्तंभ को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।

कथन 3 गलत है: अबेकस में एक चक्र (पहिया) का चित्रण है जिसमें चारों दिशाओं में चौबीस तीलियाँ हैं और प्रत्येक चक्र के बीच एक बैल, एक घोड़ा, एक हाथी और एक शेर को बारीकी से चित्रित किया गया है। चक्र का रूपांकन संपूर्ण बौद्ध कला में धम्मचक्र के प्रतिनिधित्व के रूप में महत्वपूर्ण हो जाता है।

Q9. गांधार और मथुरा कला शैली के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गांधार कला शैली ने चित्तीदार लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया जबकि मथुरा कला शैली ने नीले भूरे और भूरे बलुआ पत्थर का उपयोग किया था।
2. बुद्ध के सिर के चारों ओर के प्रभामंडल को आम तौर पर मथुरा कला स्कूल में नहीं सजाया गया था, जबकि गांधार कला स्कूल में इसे बड़े पैमाने पर सजाया गया था।
3. गांधार कला स्कूल बौद्ध धर्म से प्रभावित था जबकि मथुरा कला स्कूल हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म से प्रभावित था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर:(b)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: कला की गांधार शैली में नीले भूरे और भूरे बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है , जबकि कला की मथुरा शैली में धब्बेदार लाल बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है।

कथन 2 गलत है: बुद्ध के सिर के चारों ओर का प्रभामंडल आम तौर पर कला की गांधार शैली में दर्शाया नहीं गया, जबकि इसे बड़े पैमाने पर कला की मथुरा शैली में दर्शाया गया था।

कथन 3 सही है: गांधार कला शैली बौद्ध धर्म से प्रभावित थी जबकि मथुरा कला शैली हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म से प्रभावित थी।

Q 10. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

	भक्ति संप्रदाय	**भक्ति साहित्य**
1.	एकसारना	कीर्तन घोषा
2.	वरकरी	वचन

3. वीरशैव अभंग

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

युग्म 1 सही है: कीर्तन घोष काव्य रचनाओं का एक संग्रह है, जो मुख्य रूप से मध्यकालीन संत श्रीमंत शंकरदेव द्वारा ब्रज भाषा में रचित है। एकशरण धर्म, एक नव-वैष्णव अखंड संप्रदाय है जिसका प्रचार 15वीं-16वीं शताब्दी में भारतीय राज्य असम में श्रीमंत शंकरदेव द्वारा किया गया था।

युग्म 2 ग़लत है: वीरशैव परंपरा के केंद्र में वचन हैं - कन्नड़ भाषा की भक्ति कविताएँ। इनका श्रेय उत्तरी कर्नाटक में 12वीं और 13वीं शताब्दी के आध्यात्मिक निपुणों के एक उल्लेखनीय जमावड़े को दिया जाता है - जिन्हें शरण या "योग्य आध्यात्मिक निवास" कहा जाता है।

युग्म 3 गलत है: अभंग हिंदू भगवान विट्ठल, जिन्हें विठोबा के नाम से भी जाना जाता है, की स्तुति में गाया जाने वाला भक्ति काव्य का एक रूप है। "अभंग" शब्द "गैर" के लिए और भंग के लिए "समाप्ति" या "बाधित करना" से आया है, दूसरे शब्दों में, एक निर्दोष, निरंतर प्रक्रिया, इस मामले में एक कविता का जिक्र है। वारकरी संप्रदाय में विठोबा की पूजा और जीवन के प्रति कर्तव्य-आधारित दृष्टिकोण शामिल है, जिसमें नैतिक व्यवहार और शराब और तंबाकू से सख्त परहेज, सात्विक आहार अपनाने आदि पर जोर दिया जाता है।

Q 11 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हेनरी पेलहम ने 1783 में भारत का पहला लगभग सही मानचित्र बनाया।
2. जेम्स प्रिंसेप ने भारतीय इतिहास को तीन कालखंडो में विभाजित किया है-हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश।
3. सर विलियम जोन्स जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल के संस्थापक संपादक थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

कथन 1 गलत है: जेम्स रेनेल एक अंग्रेजी मानचित्रकार, भूगोलवेत्ता और समुद्र विज्ञानी थे। वे बंगाल के सर्वेक्षक जनरल (1764-77) थे। उन्होंने 1779 में 'ए बंगाल एटलस' प्रकाशित किया। उन्हें 1783 में भारत का पहला लगभग सही मानचित्र बनाने के लिए जाना जाता है।

कथन 2 गलत है: 1817 में, स्कॉटिश अर्थशास्त्री और राजनीतिक दार्शनिक जेम्स मिल ने 'ए हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' नाम से एक तीनखंड का लेख प्रकाशित किया था। इसमें उन्होंने भारतीय इतिहास को तीन कालखंडों में विभाजित किया- हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश।

कथन 3 गलत है: जेम्स प्रिंसेप एक अंग्रेजी विद्वान, प्राच्यविद् और पुराविद् थे। वे जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल के संस्थापक संपादक थे और उन्हें प्राचीन भारत की खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपियों का सटीक अध्ययन करने के लिए जाना जाता है।

Q 12 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जोनाथन डंकन भगवद गीता का अंग्रेजी में अनुवाद करने वाले पहले व्यक्ति थे।
2. लॉर्ड कार्नवालिस ने अमिनी आयोग का गठन किया था।
3. 1799 का प्रेस सेंसरशिप अधिनियम विलियम एमहर्स्ट के नेतृत्व में पारित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

कथन 1 गलत है: चार्ल्स विल्किंस ने सबसे पहले भगवद गीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया था। उन्होंने भारतीय संस्कृति को पश्चिमी दुनिया से परिचित करवाया।

कथन 2 गलत है: वॉरेन हेस्टिंग्स ने भारतीय कृषि प्रणाली के बारे में व्यवस्थित जानकारी इकट्ठा करने के लिए 1776 में अमिनी आयोग का गठन किया था।

कथन 3 गलत है: प्रेस सेंसरशिप अधिनियम 1799 भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल रिचर्ड वेलेजली द्वारा पारित किया गया था। यह अधिनियम फ्रांसीसी लोगों को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ किसी भी प्रकार के खबर का प्रचार-प्रसार करने से प्रतिबंधित करने के लिए पारित किया गया था।

Q 13. 1906 के सोंग्राम संगमा विद्रोह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक किसान विद्रोह था जो ओडिशा में हुआ था।
2. यह अंग्रेजों द्वारा उच्च भू-राजस्व की मांग के खिलाफ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (d)

कथन 1 गलत है: सोंग्राम संगमा एक आदिवासी विद्रोह था जो 1906 में असम में हुआ था।

कथन 2 गलत है: विद्रोह अंग्रेजों द्वारा लागू किये गये वन कानूनो के खिलाफ हुआ था। अंग्रेजों द्वारा बनाए गए वन कानून में वनों को राज्य संपत्ति घोषित किया गया और कुछ वनों को आरक्षित वनों के रूप में वर्गीकृत किया गया। वनवासी और आदिवासी समुदाय जो वन उपज पर निर्भर थे, उन्हें अब आरक्षित वनों में शिकार, झूम खेती

और संग्रहण गतिविधियों की अनुमति नहीं थी। इसके कारण, असम में जनजातियों ने 1906 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया और यह विद्रोह तथाकथित सोंग्राम संगमा विद्रोह था।

Q 14 वह ब्रह्म समाज में शामिल हो गईं थी और उन्होंने बंबई में शारदा सदन (सीखने का घर) की स्थापना की। प्रकांड विद्वान होने के कारण उन्हें सरस्वती की उपाधि दी गई। ईश्वर से प्रेरित होकर, जिसे उन्होंने सभी धर्मों को आज़माने के बाद ईसा मसीह में पाया, उन्होंने 11 मार्च, 1889 को मुक्ति मिशन की स्थापना की। ऊपर किस महान व्यक्तित्व की चर्चा की गई है?

(a) सावित्रीबाई फुले
(b) हिल्डा मैरी लाजर
(c) विजया लक्ष्मी पंडित
(d) पंडिता रमाबाई

उत्तर (d)

- पंडिता रमाबाई संस्कृत की महान विद्वान थीं। उन्हें लगा कि हिंदू धर्म महिलाओं के प्रति दमनकारी है, और उन्होंने ऊंची जाति की हिंदू महिलाओं के दयनीय जीवन के बारे में एक किताब लिखी। उन्होंने विधवाओं को आश्रय प्रदान करने के लिए पूना में एक विधवा आश्रम की स्थापना की। वह पहली महिला थीं जिन्हें पंडिता और सरस्वती की उपाधियाँ दी गईं। ईश्वर से प्रेरित होकर, जिसे उन्होंने सभी धर्मों को आज़माने के बाद ईसा मसीह में पाया, उन्होंने 11 मार्च, 1889 को मुक्ति मिशन की स्थापना की। अत: विकल्प (d) सही है।

Q 15. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

दिल्ली दरबार	वायसराय
प्रथम दिल्ली दरबार	लॉर्ड लिटन
द्वितीय दिल्ली दरबार	लॉर्ड डफरिन
तृतीय दिल्ली दरबार	लॉर्ड कर्जन

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

तीन दिल्ली दरबार क्रमशः 1877, 1903 और 1911 में आयोजित किए गए थे। दरबारों का उद्देश्य ब्रिटिश सम्राट के भारत की महारानी या सम्राट की उपाधि प्राप्त करने को चिह्नित करना था।

युग्म 1 सही है: पहला दिल्ली दरबार 1877 में आयोजित किया गया था। यह भारत के वायसराय के रूप में लॉर्ड लिटन के शासनकाल में आयोजित किया गया था।

युग्म 2 गलत है: दूसरा दिल्ली दरबार 1903 में आयोजित किया गया था। यह भारत के वायसराय के रूप में लॉर्ड कर्जन के शासनकाल में आयोजित किया गया था।

युग्म 3 गलत है: 1911 के दिल्ली दरबार के दौरान लॉर्ड हार्डिंग भारत के वायसराय थे।

Q 16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में शासन की शक्ति का ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरण।
2. भारत में शासक प्रमुखों को अपना राज्य अपने दत्तक पुत्रों को सौंपने की अनुमति देना।
3. ब्रिटिश कैबिनेट के एक सदस्य को भारत के राज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

1857 के विद्रोह की समाप्ति के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा उपरोक्त में से कौन से कदम उठाए गए थे?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर (d)

कथन 1 सही है: ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया अधिनियम पारित किया और भारतीय मामलों के अधिक जिम्मेदार प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी की शक्तियों को ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरित कर दिया।

कथन 2 सही है: देश के सभी शासक प्रमुखों को आश्वासन दिया गया था कि भविष्य में उनके क्षेत्र पर कभी भी कब्ज़ा नहीं किया जाएगा। उन्हें अपना राज्य अपने उत्तर ाधिकारियों, जिनमें दत्तक पुत्र भी शामिल थे, को सौंपने की अनुमति दी गई, जिससे व्यपगत का सिद्धांत समाप्त हो गया।

कथन 3 सही है: ब्रिटिश कैबिनेट के एक सदस्य को भारत के राज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया और भारत के शासन से संबंधित सभी मामलों के लिए जिम्मेदार बनाया गया। उन्हें सलाह देने के लिए एक काउंसिल दी गई, जिसे भारत परिषद कहा गया।

Q 17 भारतीय इतिहास के संदर्भ में मैकाले का स्मरण-पत्र (Macaulay's Minute) का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन सा था?

(a) यह सुनिश्चित करना कि विधायिका का वायसराय की कार्यकारी परिषद पर कोई नियंत्रण नहीं हो|
(b) भारत में प्राच्य शिक्षा को बढ़ावा देना।
(c) भारत में अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा देना।
(d) भारत में स्थानीय प्रेस को नियंत्रित और विनियमित करना।

उत्तर (c)

- थॉमस बबिंगटन मैकाले ने अपने मैकाले मिनट ऑन एजुकेशन में यह विचार रखा कि अंग्रेजी शिक्षा न केवल 'विज्ञान' में श्रेष्ठ है, बल्कि भारतीयों में श्रेष्ठ नैतिकता भी पैदा करेगी। इसलिए उन्होंने मैकॉले मिनट या 1835 का अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम पेश किया।
- यह निर्णय उच्च शिक्षा के लिए अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने और कलकत्ता मदरसा और बनारस संस्कृत कॉलेज जैसे ओरिएंटल संस्थानों को बढ़ावा देने से रोकने का था। अत: विकल्प (c) सही है।

Q 18. ईश्वर चंद्र विद्यासागर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने सेरामपुर विश्वविद्यालय नामक प्रथम डिग्री प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय की नींव रखी।
2. उन्होंने 1856 में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित कराने में प्रमुख भूमिका निभाई।

3. उन्होंने 'सोम प्रकाश' नामक साप्ताहिक समाचार पत्र शुरू किया |

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 2

(d) 1, 2 और 3

उत्तर (b)

कथन 1 गलत है: विलियम कैरी एक ब्रिटिश ईसाई मिशनरी, अनुवादक, समाज सुधारक और सांस्कृतिक मानवविज्ञानी थे। उन्होंने सेरामपुर मिशन प्रेस, सेरामपुर कॉलेज और सेरामपुर विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो भारत में डिग्री देने वाला पहला विश्वविद्यालय था।

कथन 2 सही है: ईश्वर चंद्र विद्यासागर सबसे प्रसिद्ध सुधारकों में से एक थे जिन्होंने प्राचीन ग्रंथों का उपयोग यह सुझाव देने के लिए किया था कि विधवाएँ हिंदू धर्म में पुनर्विवाह कर सकती हैं। उनके सुझाव को ब्रिटिश अधिकारियों ने अपनाया और 1856 में एक कानून पारित किया गया जिसने विधवा पुनर्विवाह की अनुमति दी।

कथन 3 सही है: 'सोम प्रकाश' अखबार 1859 में द्वारकानाथ विद्याभूषण के संपादन में ईश्वर चंद्र विद्यासागर द्वारा शुरू किया गया था। यह संस्कृत प्रेस से निकलने वाला साप्ताहिक पत्र था।

Q 19. भारत में आदिवासी समुदाय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह आदिवासी समुदाय अपनी स्वदेशी लौह गलाने की तकनीक के लिए प्रसिद्ध था।
2. 20वीं शताब्दी के दौरान भारत में अंग्रेजी स्टील के आयात के कारण इस समुदाय का तेजी से पतन हुआ।
3. यह समुदाय मुख्यतः मध्य भारत, विशेषकर मध्य प्रदेश और ओडिशा के हिस्सों में निवास करता था।

निम्नलिखित में से किस जनजातीय समुदाय का वर्णन ऊपर किया गया है?

(a) अगरिया

(b) संथाल

(c) बैगा

(d) मुंडा

उत्तर (a)

- कई भारतीय जनजातियाँ स्वदेशी तरीकों से लोहा गलाने के लिए जानी जाती हैं। इनमें असुर मुंडा और अगरिया लोहा गलाने से जुड़ी प्रमुख जनजातियाँ हैं। औपनिवेशिक काल के दौरान, अगरिया मुख्य रूप से मध्य भारत में रहते थे और लोहा गलाने के काम से जुड़े थे। उस समय लोहे का उपयोग मुख्य रूप से हथियार बनाने के लिए किया जाता था।
- 20वीं सदी में जब भारत में अंग्रेजी स्टील के आयात को बढ़ावा मिला तो लोहे से बने हथियारों और बर्तनों का पतन हो गया। दूसरी ओर, अंग्रेजी स्टील से बने हथियारों में वृद्धि हुई। इससे अगरिया जनजाति का पतन भी हुआ। अत: विकल्प (a) सही है।

Q 20. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:

1. गवर्नर-जनरल की एक नई कार्यकारी परिषद बनाना जिसमें हिंदू और मुसलमानों की समान संख्या हो।
2. नई कार्यकारी परिषद के वायसराय और कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर सभी सदस्य भारतीय होने चाहिए।
3. नई कार्यकारी परिषद को मुख्य रूप से भारत के राज्य सचिव की सहायता और सलाह पर काम करना था।

उपरोक्त में से कौन सी लॉर्ड वेवेल योजना की विशेषताएं थीं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर (a)

- 14 जून, 1945 को लॉर्ड वेवेल ने एक अंतरिम व्यवस्था की योजना पेश की जिसे वेवेल योजना कहा गया। योजना की महत्वपूर्ण विशेषताएं थी: -
- कथन 1 सही है: गवर्नर-जनरल की एक नई कार्यकारी परिषद का गठन किया जाना था जिसमें समान संख्या में हिंदू और मुस्लिम शामिल थे।
- कथन 2 सही है: वायसराय और कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर कार्यकारी परिषद के सभी सदस्य भारतीय होने थे, जिन्होंने भारत की रक्षा की जिम्मेदारी बरकरार रखी थी।
- कथन 3 गलत है: नई कार्यकारी परिषद को 1935 अधिनियम के ढांचे के भीतर काम करना था, और गवर्नर-जनरल ने पार्षदों के बहुमत के फैसले के खिलाफ वीटो की शक्ति बरकरार रखी। राज्य सचिव का हस्तक्षेप न्यूनतम किया जाना था।

Q 21. गरबा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पंजाब राज्य में लोकप्रिय एक पारंपरिक लोक नृत्य है।
2. यह सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है।
3. यह यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर:(c)

व्याख्या:

हाल ही में, यूनेस्को ने लोकप्रिय गुजराती लोक नृत्य गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की अपनी प्रतिनिधि सूची में शामिल किया है।

कथन 1 गलत है: गरबा गुजराती लोक नृत्य का एक रूप है, जो नौ दिवसीय हिंदू त्योहार नवरात्रि के दौरान किया जाता है, जिसे बुराई पर अच्छाई की जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

कथन 2 सही है: दशकों से गरबा भारत में और वैश्विक भारतीय प्रवासियों के बीच गुजराती संस्कृति का एक अभिन्न और जीवित घटक रहा है। एक धार्मिक अनुष्ठान होने के अलावा, गरबा सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है। यह विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा समावेशी और सहभागी बना हुआ है, जिससे सामुदायिक बंधन मजबूत हो रहे हैं।

कथन 3 सही है: गरबा नृत्य शैली यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) सूची में शामिल होने वाली भारत की 15वीं सांस्कृतिक कला है।

Q 22. हाल ही में, राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) ने देश भर में 52 लाख पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण किया और 90 मिलियन फोलियो का संरक्षण किया। एनएमएम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका प्रारंभ 2003 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा की गई थी।
2. मिशन को भारत की पांडुलिपि विरासत की पहचान करने, दस्तावेजीकरण करने, संरक्षण करने और सुलभ बनाने का काम सौंपा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर:(b)

व्याख्या:

केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी के अनुसार अब तक ,राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन ने देश भर में 52 लाख पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण किया और 90 मिलियन फोलियो पृष्ठों का संरक्षण किया।

कथन 1 गलत है: भारत सरकार के पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय द्वारा फरवरी 2003 में राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की शुरुआत की गई थी।

कथन 2 सही है: मिशन का उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत की पहचान करना, उनका दस्तावेजीकरण करना, संरक्षण करना है। भारत में अनुमानतः दस मिलियन पांडुलिपियाँ हैं, जो संभवतः विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है। इनमें विभिन्न प्रकार के विषय, बनावट और सौंदर्यशास्त्र, लिपिया, भाषाएँ, सुलेख और चित्र शामिल हैं।

Q 23. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	सूची I	सूची II
1.	पिथोरो चित्रकला	उत्तराखंड
2.	गोंड चित्रकला	मध्य प्रदेश
3.	वर्ली चित्रकला	महाराष्ट्र
4.	पाटा चित्रकला	पश्चिम बंगाल

उपरोक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

युग्म 1 गलत है: पिथोरा चित्रकला गुजरात के पंचमहल क्षेत्र और पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के झाबुआ के राठवा भीलों द्वारा चित्रित की गई थी, ये चित्रकला विशेष या धन्यवाद के अवसरों को चिह्नित करने के लिए घरों की दीवारों पर बनाई जाती हैं।

युग्म 2 सही है: गोंड चित्रकला मध्य प्रदेश के गोंडों की है, जिनकी एक समृद्ध परंपरा है और उनके प्रमुख मध्य भारत पर शासन करते थे। ये प्रकृति की पूजा करते थे। मंडला और उसके आसपास के क्षेत्रों के गोंडों की चित्रकला को हाल ही में जानवरों, मनुष्यों और वनस्पतियों के रंगीन चित्रण में बदल दिया गया है।

युग्म 3 सही है: वर्ली चित्रकला एक आदिवासी कला है जो मुख्यतः वर्ली आदिवासी समुदाय द्वारा चित्रित की जाती है। वर्ली समुदाय उत्तरी महाराष्ट्र के पश्चिमी तट पर उत्तरी सह्याद्रि पर्वतमाला के आसपास निवास करता है और ठाणे जिले में बड़ी संख्या में निवास करता है। विवाहित महिलाएं विशेष अवसरों को चिह्नित करने के लिए चौक नामक उनकी सबसे महत्वपूर्ण चित्रकला बनाने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।

युग्म 4 सही है: कपड़े, ताड़ के पत्ते या कागज पर की जाने वाली पाटा चित्रकला, स्क्रॉल चित्रकला देश के विभिन्न हिस्सों में प्रचलित कला का एक और उदाहरण है, विशेष रूप से, पश्चिम में गुजरात और राजस्थान और पूर्व में ओडिशा और पश्चिम बंगाल में। . इसे पाटा, पचेड़ी, फड़ आदि नामों से भी जाना जाता है।

Q 24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सुत्कागेंडोर सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे दक्षिणी स्थल है।
2. बनावली घग्गर नदी के तट पर स्थित था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: दैमाबाद (महाराष्ट्र) सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे दक्षिणी स्थल है।

सबसे उत्तरी स्थल	मांड (जम्मू एवं कश्मीर)
सबसे पश्चिमी स्थल	सुत्कांगेनडोर (पाकिस्तान)
सबसे दक्षिणी स्थल	दैमाबाद (महाराष्ट्र)
सबसे पूर्वी स्थल	आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)

कथन 2 सही है: बनावली हरियाणा में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता काल का एक पुरातात्विक स्थल है। यह घग्गर नदी के तट पर स्थित था, जो अब सूख गई है।
स्रोतः नितिन सिंघानिया तृतीय संस्करण पेज नं. 44

Q 25. मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ऊँची चारदीवारी का अभाव।
2. शिखर का आकार सीढ़ीनुमा पिरामिड |
3. तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर द्रविड़ शैली के मंदिर का उदाहरण है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर:(b)
व्याख्या:
कथन 1 गलत है: द्रविड़ मंदिर ऊंची चारदीवारी से घिरे हुए थे।
कथन 2 सही है: द्रविड़ शैली के तहत, शिखर एक सीढ़ीदार पिरामिड के रूप में है जो घुमावदार के बजाय रैखिक रूप से ऊपर जाता है। इसे विमान के नाम से जाना जाता है।
कथन 3 सही है: तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर (1011 ईस्वी में राजा राजा प्रथम द्वारा निर्मित), गंगईकोंडचोलपुरम मंदिर द्रविड़ शैली के मंदिर का उदाहरण हैं।

Q 26. निम्नलिखित व्यक्तित्वों पर विचार कीजिये:

1. चाणक्य
2. चरक
3. पाणिनि

उपरोक्त में से कितने तक्षशिला विश्वविद्यालय से संबंधित है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर:(c)
व्याख्या:
तक्षशिला आधुनिक पाकिस्तान में स्थित है। तक्षशिला के प्रसिद्ध शिक्षकों और शिष्यों में शामिल हैं:-
चाणक्य
चरक
पाणिनि
जीवक
प्रसेनजित्

Q 27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विहार बौद्ध और जैन भिक्षुओं के लिए निवास कक्ष थे।
2. चैत्य प्रार्थना कक्ष थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर:(c)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: विहार बौद्ध और जैन भिक्षुओं के लिए आवासीय कक्ष थे और मौर्य साम्राज्य के दौरान विकसित किए गए थे।

कथन 2 सही है: चैत्य सपाट छत वाले चतुर्भुज कक्ष थे और प्रार्थना कक्ष के रूप में उपयोग किए जाते थे।

Q 28. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

मुद्रा	महत्व
भूमिस्पर्श मुद्रा	पृथ्वी को सत्य का साक्षी बनने के लिए आमंत्रित करना
ध्यान मुद्रा	उपदेश का शिक्षण चरण
वितर्क मुद्रा	आध्यात्मिक पूर्णता की प्राप्ति

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर:(a)

व्याख्या:

भूमिस्पर्श मुद्रा	ध्यान मुद्रा	वितर्क मुद्रा
महत्व: 'पृथ्वी को सत्य का गवाह बनने का आह्वान' और यह बुद्ध के ज्ञान प्राप्त करने के क्षण को प्रदर्शित करती है।	यह आध्यात्मिक पूर्णता की प्राप्ति का प्रतीक है।	यह बौद्ध धर्म में उपदेश के शिक्षण चरण का प्रतीक है। अंगूठे और तर्जनी से बना चक्र ऊर्जा के निरंतर प्रवाह को बनाए रखता है, क्योंकि इसकी कोई शुरुआत या अंत नहीं है, केवल पूर्णता है।

अतः, विकल्प (a) सही है।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Q 29. निम्नलिखित मंदिरों पर विचार कीजिये:

1. देवगढ़ का दशावतार मंदिर
2. ऐहोल का दुर्गा मंदिर
3. नचना कुठारा का पार्वती मंदिर

उपरोक्त में से कितने मंदिरों का निर्माण पंचायतन शैली में किया गया है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर:(b)

व्याख्या:

मंदिर निर्माण की पंचायतन शैली में मुख्य देवता के मंदिर के साथ चार सहायक मंदिर भी होते थे। देवगढ़ में दशावतार मंदिर, ऐहोल में दुर्गा मंदिर पंचायतन शैली में निर्मित मंदिरों के उदाहरण हैं।

अतः, विकल्प (b) सही है।

Q 30. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शालीमार बाग घाटी का सबसे बड़ा मुगल उद्यान है।
2. मुग़ल राजाओं द्वारा बनवाए गए उद्यान फ़ारसी कला से प्रेरित थे।
3. चश्मे शाही का निर्माण ताजे झरने के आसपास किया गया था।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर:(b)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: निशात बाग घाटी का सबसे बड़ा मुगल उद्यान है। यह डल झील के पास है और इसमें 12 छतें हैं।

कथन 2 सही है: मुग़ल राजाओं ने बहुत सारे बगीचो का निर्माण करवाया और ये फ़ारसी डिज़ाइनों से प्रेरित थे। इनका निर्माण चार बाग शैली में किया गया था। पानी की धाराएँ, फव्वारे और पेड़ बगीचों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कथन 3 सही है: चश्मे शाही, फ़ारसी शैली में एक ताज़ा झरने के आसपास निर्मित।

Q 31. 1945 में प्रकाशित सप्रू समिति रिपोर्ट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने विभाजन के फार्मूले को खारिज कर दिया और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षा उपायों के साथ एक एकल संयुक्त संविधान का सुझाव दिया।
2. इसमें मौलिक अधिकारों पर एक अनुभाग था।
3. इसमें मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली को अस्वीकार कर दिया और सीटों के आरक्षण के साथ संयुक्त निर्वाचन प्रणाली का प्रस्ताव रखा।
4. इसने 'अल्पसंख्यक आयोग' पेश किया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर (d)

रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाली समिति के अध्यक्ष तेज बहादुर सप्रू थे| यह रिपोर्ट नवंबर 1944 में गैर-पार्टी सम्मेलन द्वारा नियुक्त एक समिति द्वारा तैयार की गई थी। तेज बहादुर सप्रू एक प्रसिद्ध वकील थे जिन्होंने गैर-पार्टी सम्मेलन की पहली बैठक बुलाई थी।

कथन 1 सही है: समिति ने विभाजन के फॉर्मूले को खारिज कर दिया और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षा उपायों के साथ एक एकल संयुक्त संविधान का सुझाव दिया।

कथन 2 सही है: रिपोर्ट में नेहरू रिपोर्ट, 1928 की तरह मौलिक अधिकारों पर एक भाग था। इसमें बोलने की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और समानता जैसे प्रावधान थे। इसने भविष्य के संवैधानिक निकाय से इन अधिकारों को सटीक रूप से तैयार करने का आह्वान किया।

कथन 3 सही है: सप्रू समिति की रिपोर्ट को मुस्लिम लीग ने स्वीकार नहीं किया क्योंकि इसने केंद्रीय विधानमंडल के लिए मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली को अस्वीकार कर दिया था। इसने सीटों के आरक्षण के साथ संयुक्त निर्वाचन का प्रस्ताव रखा।

कथन 4 सही है: इसने एक 'अल्पसंख्यक आयोग' पेश किया जो अल्पसंख्यकों के कल्याण का आकलन करेगा और सरकार को उपायों की सिफारिश करने की शक्ति देगा।

Q 32. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:

1. केंद्रीय विधानमंडल और सभी ग्यारह प्रांतों में द्विसदनीय व्यवस्था।
2. सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्र को बनाए रखना।
3. प्रांतों का पुनर्गठन|
4. संघीय रेलवे प्राधिकरण।

उपरोक्त में से कौन सी भारत सरकार अधिनियम 1935 की विशेषताएं थीं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (b)

- 1935 का भारत सरकार अधिनियम उस समय के सबसे लंबे अधिनियमों में से एक था क्योंकि इसमें 321 धाराएँ और 10 अनुसूचियाँ थीं।
- द्विसदनवाद: इससे राज्यों का पुनर्गठन हुआ। इसने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता की शुरुआत की। इस प्रकार, बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत की विधानसभाओं को विधान परिषद (उच्च सदन) और विधान सभा (निचला सदन) से मिलकर द्विसदनीय बना दिया गया।

- सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्र को बनाए रखना: अधिनियम ने दलित वर्गों (अनुसूचित जाति), महिलाओं और श्रमिकों (श्रमिकों) के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को बढ़ाया। मुसलमानों को संघीय विधानमंडल में 33 प्रतिशत सीटें मिलीं, हालाँकि उनकी संख्या ब्रिटिश भारत की कुल जनसंख्या के एक तिहाई से भी कम थी।
- संघीय रेलवे प्राधिकरण: इस अधिनियम के कारण भारत में रेलवे को नियंत्रित करने के लिए संघीय रेलवे प्राधिकरण की स्थापना हुई।
- प्रांतों का पुनर्गठन: इस अधिनियम के कारण कुछ प्रांतों का पुनर्गठन या पुनर्संगठन भी हुआ। बम्बई से एक प्रान्त अलग कर उसका नाम सिंध रखा गया। इसी प्रकार बिहार और उड़ीसा का विभाजन हुआ। अत: विकल्प (b) सही है।

Q 33. आधुनिक भारतीय इतिहास के संदर्भ में, 'इल्बर्ट बिल' पेश करने के पीछे निम्नलिखित में से कौन सा मुख्य उद्देश्य था?

(a) भारत में शिक्षा के पैटर्न को प्राच्य शिक्षा से पश्चिमी शिक्षा की ओर स्थानांतरित करना
(b) देशद्रोही बैठकों और क्रांतिकारी गतिविधियों को रोकने के लिए।
(c) 'पृथक निर्वाचन क्षेत्र' की अवधारणा के माध्यम से सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की एक प्रणाली शुरू करना।
(d) भारतीय न्यायाधीशों को अंग्रेजों से जुड़े मामलों की सुनवाई की अनुमति देना।

उत्तर (d)

- इल्बर्ट बिल 9 फरवरी 1883 को इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ऑफ इंडिया में पेश किया गया था।
- इसने वरिष्ठ भारतीय मजिस्ट्रेटों को भारत में ब्रिटिश विषयों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने की अनुमति दी।
- इससे पहले, 1873 में ब्रिटिश प्रजा को भारतीय मजिस्ट्रेटों द्वारा मुकदमे से छूट दी गई थी। लॉर्ड रिपन के शासनकाल में इल्बर्ट बिल पारित हुआ था। अत: विकल्प (d) सही है।

Q 34. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एनी बेसेंट कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष थीं।
2. बदरुद्दीन तैयबजी कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष थे।
3. 1924 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में बेलगाम के कांग्रेस अधिवेशन में जन गण मन का पहला सार्वजनिक गायन हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (b)

कथन 1 सही है: एनी बेसेंट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष थीं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1917 के कलकत्ता सत्र की अध्यक्षता की।

कथन 2 सही है: बदरुद्दीन तैयबजी कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष थे। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक भी थे।

कथन 3 गलत है: जन गण मन पहली बार 27 दिसंबर 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र में गाया गया था। इसे आधिकारिक तौर पर 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा भारतीय राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया था।

Q 35. महात्मा गांधी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह संविधान सभा के प्रमुख सदस्यों में से एक थे।
2. भारत सरकार द्वारा उन्हें 'राष्ट्रपिता' की उपाधि दी गई थी।
3. 'महात्मा' की उपाधि उन्हें उनके गुरु गोपाल कृष्ण गोखले ने दी थी।
4. प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने ब्रिटेन का समर्थन किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 4
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर (a)

कथन 1 गलत है: महात्मा गांधी भारत की संविधान सभा के सदस्य नहीं थे। संविधान सभा के सदस्यों को प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुना गया था। दूसरी ओर, गांधी ने प्रांतीय चुनावों से दूर रहने का फैसला किया।

कथन 2 गलत है: जैसा कि केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा स्पष्ट किया गया है , महात्मा गांधी को भारत सरकार द्वारा कभी भी 'राष्ट्रपिता की उपाधि नहीं दी गई थी और इस संबंध में कभी भी कोई नियम या अध्यादेश पारित नहीं किया गया है। वह सुभाष चंद्र बोस ही थे जिन्होंने सबसे पहले महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया था।

कथन 3 गलत है: प्रसिद्ध कवि और दार्शनिक रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गांधी को सम्मानजनक उपाधि 'महात्मा' प्रदान की थी।

कथन 4 सही है: गांधीजी ने ब्रिटिश पक्ष में यूरोप में युद्ध लड़ने के लिए भारतीय सैनिकों की भर्ती करके संसाधनों के साथ ब्रिटिश ताज का समर्थन किया।

Q 36. निम्नलिखित युग्मो पर विचार कीजिए:

	संघों/समूहों	**संस्थापक**
1.	इंडियन इंडिपेंडेंस लीग,1942	अरुणा आसफ अली
2.	इंडियन नेशनल एसोसिएशन	सोहन सिंह भाखना
3.	अखिल भारतीय मुस्लिम लीग	मुहम्मद अली जिन्ना

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

युग्म 1 गलत है: रासबिहारी बोस ने 1942 में टोक्यो में एक सम्मेलन के दौरान इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की।

युग्म 2 गलत है: इंडियन नेशनल एसोसिएशन को इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना 1876 में सुरेंद्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस ने की थी।

युग्म 3 गलत है: नवाब ख्वाजा सलीमुल्लाह ने 1906 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की। अन्य सह-संस्थापक विकार-उल-मुल्क, सैयद अमीर अली, सैयद नबीउल्लाह, खान बहादुर गुलाम और मुस्तफा चौधरी थे।

Q 37. निम्नलिखित व्यक्तियों पर विचार कीजिए:

1. सतीश चंद्र बसु
2. प्रमथ नाथ मित्र
3. रासबिहारी बोस
4. बंकिम चंद्र चटर्जी
5. सूर्य सेन

उपरोक्त में से कौन 'अनुशीलन समिति' के सदस्य थे?

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर (a)

- अनुशीलन समिति की स्थापना 24 मार्च 1902 को वकील प्रमथनाथ मित्रा द्वारा की गई थी।
- अन्य सदस्यों में बारीन्द्र कुमार घोष, अरबिंदो घोष, भूपेन्द्र नाथ दत्त, देश बंधु चितरंजन दास, सुरेंद्रनाथ टैगोर, पुलिन बिहारी दास, सरला देवी, रास बिहारी बोस, जतीन्द्रनाथ मुखर्जी (बाघा जतिन) और सचिन्द्रनाथ सान्याल शामिल हैं।
- बंकिम चंद्र चटर्जी और सूर्य सेन अनुशीलन समिति से जुड़े नहीं थे। अत: विकल्प (a) सही है।

Q 38. निम्नलिखित अकाल आयोगों पर विचार कीजिए:

1. स्ट्रेची आयोग
2. लायल आयोग
3. कैम्पबेल आयोग

इन आयोगों का सही कालानुक्रमिक क्रम है:

(a) 1-3-2
(b) 1-2-3
(c) 3-1-2

(d) 2-3-1

उत्तर (c)

- कैंपबेल आयोग, 1866: 1865-66 में, ओडिशा, बंगाल, बिहार और मद्रास में अकाल पड़ा और 20 लाख लोगों की जान चली गई, अकेले ओडिशा में 10 लाख लोगों की जान चली गई। इसके बाद सर जॉर्ज कैंपबेल की अध्यक्षता में एक समिति की नियुक्ति की गई।
- स्ट्रेची आयोग, 1880: 1880 में, लिटन ने सामान्य सिद्धांतों को तैयार करने और निवारक या सुरक्षात्मक चरित्र के उपायों का सुझाव देने के लिए रिचर्ड स्ट्रेची के तहत एक आयोग नियुक्त किया।
- लॉयल आयोग, 1896-97: पंजाब के पूर्व उपराज्यपाल सर जेम्स लायल की अध्यक्षता में एक आयोग ने 1880 में अपने पूर्ववर्तियों द्वारा व्यक्त विचारों का पालन किया। अत: विकल्प (c) सही है।

Q 39. सावित्रीबाई फुले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं।
2. उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत महिला परिषद की शुरुआत की थी।
3. उन्होंने प्रथम सत्यशोधक विवाह की शुरुआत की थी।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (b)

कथन 1 सही है: सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक प्रमुख भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद् और कवयित्री थी जिन्होंने उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं और 1848 तक फुले ने पूना में लड़कियों, शूद्रों और अति-शूद्रों के लिए एक स्कूल शुरू किया था।

कथन 2 गलत है: महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सावित्रीबाई फुले ने महिला सेवा मंडल की शुरुआत की। जबकि भारत महिला परिषद की स्थापना रमाबाई रानाडे ने की थी और इसके उद्देश्यों में महिलाओं के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना, पर्दा प्रथा का उन्मूलन और पूरे भारत में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में सुधार शामिल थी।

कथन 3 सही है: सावित्रीबाई फुले ने प्रथम सत्यशोधक विवाह की शुरुआत की जो कि 1873 में दहेज, ब्राह्मण पुरोहितों या ब्राह्मणवादी अनुष्ठानों के बिना एक विवाह होता था।

Q 40. निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए:

1. गीतांजलि
2. घरे-बैरे
3. गोरा
4. मानसी

उपरोक्त में से कितनी रचनाएँ रवीन्द्रनाथ टैगोर की हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

उत्तर (d)
रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रमुख रचनाएँ हैं:
गीतांजलि
घरे-बैरे
गोरा
मानसी
बलाका
सोनार तोरी
उन्हें उनके गीत 'एकला चलो रे' के लिए जाना जाता है।
अत: विकल्प (d) सही है।

Q 41. कर्नाटक संगीत के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. रचना की पहली या दूसरी विषयगत पंक्तियों को 'पल्लवी' कहा जाता है।
2. चरण अंतिम और सबसे लंबा छंद है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2
उत्तर:(c)
व्याख्या:
कर्नाटक शाखा पारंपरिक सप्तक में बजाया जाने वाला संगीत से संबंधित है। संगीत कृति आधारित है और संगीत के साहित्य या गीत की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है।
कथन 1 सही है: रचना की पहली या दूसरी विषयगत पंक्तियों को 'पल्लवी' कहा जाता है। यह भाग प्राय: प्रत्येक छंद में दोहराया जाता है।
कथन 2 सही है: चरण अंतिम और सबसे लंबा छंद है जो गीत का समापन करता है।

Q 42. हाल ही में, कर्नाटक के तीन होयसल-युग के मंदिरों ने यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। होयसल मंदिरों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. इन मंदिरों की योजना तारकीय है।
2. ये मंदिर पूर्णतः द्रविड़ शैली पर आधारित है।
3. ऐरावतेश्वर मंदिर परिसर इस शैली के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं
उत्तर: (a)
व्याख्या:
कथन 1 सही है: इन मंदिरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये मंदिर एक वर्गाकार मंदिर के आधार पर प्रक्षेपित कोणों के साथ बेहद जटिल संरचना का निर्माण करते हैं जिससे इन मंदिरों का विन्यास एक तारे जैसा दिखने लगता है और इस तरह यह संपूर्ण संरचना एक तारामय योजना के रूप में जानी जाती है।
कथन 2 गलत है: कर्नाटक के हलेबिड में होयसलेश्वर मंदिर (होयसल के भगवान) को 1150 में होयसल राजा द्वारा गहरे शिस्ट पत्थर से बनाया गया था। होयसल मंदिरों की शैली अनूठी है जो तो न पूरी तरह से द्रविड़ है और न ही नागर, बल्कि कहीं इनके बीच में है, इसलिए इन्हें हाइब्रिड या वेसर भी कहा जाता हैं।
ReactReply 6:41
कथन 3 गलत है: दारासुरम में राजराजा द्वितीय द्वारा निर्मित ऐरावतेश्वर मंदिर परिसर में 24 मीटर का विमान और शिव की पत्थर की एक मूर्ति है । यह मंदिर वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला और कांस्य ढलाई में चोल की शानदार उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है।

Q 43. सियांग उनिंग महोत्सव के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. यह आदि समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है।
2. यह आदि समुदाय के नए वर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2
उत्तर:(c)
व्याख्या:
कथन 1 सही है: सियांग उनयिंग महोत्सव आदि समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो अरुणाचल प्रदेश के बोलेंग में मनाया जाता था।
कथन 2 सही है: यह आदि समुदाय के नए साल की शुरुआत यानी वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है; और समुदाय के बीच आपसी बंधन को मजबूत करना। आदि एक प्रमुख समुदाय है और निचली दिबांग घाटी जिले के निचले हिस्से विशेषकर रोइंग और दंबुक क्षेत्रों में निवास करता है।

Q 44. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, गराडी, चेरॉ और होजागिरी निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध हैं:
(a) भारतीय रंगमंच
(b) लोक नृत्य
(c) जनजातीय भाषाएँ

(d) भारतीय संगीत

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भारत के प्रमुख लोक नृत्य:

गराडी

चेराव

होजागिरी

फुगड़ी

दमहाल

अत: विकल्प (b) सही है।

Q 45. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	सूची I	**सूची II**
1.	पट्टचित्र	ओडिशा
2.	पैटकर	झारखंड
3.	मंजूषा	बिहार
4.	फड़	कर्नाटक

उपरोक्त दिए गए युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- फड़ मुख्य रूप से राजस्थान में प्रचलित है और एक स्क्रॉल-प्रकार की कला है। यह प्रकृति में धार्मिक है और इसमें स्थानीय देवताओं, पाबूजी और देवनारायण के चित्र शामिल हैं।
- कपड़े के लंबे टुकड़े जिसे फड़ कहते हैं, पर वनस्पति रंगों से चित्रित किया जाता है, ये 15 फीट या 30 फीट लंबे होते हैं। विषयों की बड़ी आंखें और गोल चेहरे हैं। वे आडंबरपूर्ण और आनंदमय कथा वाले हैं और जुलूस के दृश्य आम हैं।
- **अत: विकल्प (d) सही है।**

Q 46. भीम राव अम्बेडकर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने दलित वर्गों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए 'बहिष्कृत भारत' अखबार शुरू किया था।
2. उन्होंने पहले और तीसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था।
3. 1954 में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उन्हें "बोधिसत्व" की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (b)

कथन 1 सही है: बी.आर अंबेडकर ने दलित वर्गों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए 1927 में बहिष्कृत भारत अखबार शुरू किया था।

कथन 2 गलत है: बी.आर अंबेडकर ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।

कथन 3 सही है: डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को 1954 में काठमांडू, नेपाल में "जगतिक बौद्ध धर्म परिषद" में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा "बोधिसत्व" की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

Q 47. निम्नलिखित साहित्यिक कृतियों पर विचार कीजिए:

1. द स्टोरी ऑफ़ माय डिपोर्टेशन
2. यंग इंडिया
3. अनहैप्पी इंडिया

उपरोक्त में से लाला लाजपत राय की रचनाएँ हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

उत्तर (c)

- लाजपत राय के सबसे महत्वपूर्ण लेखन में शामिल हैं
- द स्टोरी ऑफ़ माय डिपोर्टेशन
- आर्य समाज
- यूनाइटेड स्टेट ऑफ़ अमेरिका : ए हिंदू इम्प्रेशन
- इंग्लैंड डेब्ट ऑन इंडिया : ए हिस्टोरिकल नरेटीव ऑफ ब्रिटेन फिस्कल पॉलिसी इन इंडिया अनहैप्पी इंडिया
- अत: विकल्प (c) सही है।

Q 48. राम मोहन राय के विचारों और मान्यताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आध्यात्मिकता के रचनात्मक संयोजन का प्रयास किया।
2. उन्होंने हिंदू धर्म के बहुदेववाद पर आपत्ति जताई और एकेश्वरवाद को बढ़ावा दिया।
3. वे अंग्रेजी शिक्षा के प्रबल समर्थक और ब्रिटिश शासन के पक्षधर थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

राजा राम मोहन राय (1772-1833) आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक थे। उन्हें आम तौर पर "आधुनिक भारत का जनक" कहा जाता है।

कथन 1 सही है: रॉय अपने दृष्टिकोण में आधुनिकतावादी थे, उन्होंने हमेशा आधुनिकता को परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आध्यात्मिकता, पश्चिमी और पूर्वी दर्शन के रचनात्मक संयोजन का प्रयास किया।

कथन 2 सही है: धर्म के प्रति उनका दृष्टिकोण उदार था। उन्होंने हिंदू धर्म के कथित बहुदेववाद पर आपत्ति जताई और एकेश्वरवाद को बढ़ावा दिया। 1815 में रॉय ने एकेश्वरवादी हिंदू धर्म के अपने सिद्धांतों का प्रचार करने के लिए आत्मीय-सभा (मैत्रीपूर्ण समाज) की स्थापना की।

कथन 3 सही है: उन्होंने अंग्रेजी भाषा में महारत हासिल की और स्वयं को इंग्लैंड और यूरोप में राजनीतिक विकास और तर्कवाद और स्वतंत्रता जैसे विचारों से परिचित कराया। अंग्रेजी भाषा के ज्ञान ने न केवल रॉय के लिए अंग्रेजों के साथ संपर्क को आसान बनाया, बल्कि उनके लिए एक पूरी नई दुनिया भी खोल दी। रॉय के स्वयं के शब्दों में, उन्होंने अब अंग्रेजों के खिलाफ अपने शुरुआती पूर्वाग्रहों को त्याग दिया और महसूस किया कि अज्ञानी और अंधविश्वासी जनता की स्थिति को सुधारने के लिए इन प्रबुद्ध शासकों से मदद लेना बेहतर था। वे अंग्रेजी शिक्षा के प्रबल समर्थक और ब्रिटिश शासन के पक्षधर बन गये।

Q 49. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

राज्य	संस्थापक
1. हैदराबाद	कुली कुतुब शाह
2. अवध	मुर्शिद कुली खान
3. बंगाल	सआदत खान

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

युग्म 1 सही है: हैदराबाद राज्य की स्थापना मुहम्मद शाह रंगीला के शासनकाल के दौरान 1724 ई. में कुली कुतुब शाह ने की थी।

युग्म 2 गलत है: अवध के संस्थापक सआदत खान थे, जिन्हें बुरहान-उल-मुल्क के नाम से जाना जाता था। अवध की स्थापना 1722 में की थी।

युग्म 3 गलत है: बंगाल की स्थापना मुर्शीद कुली खान ने की थी।

Q 50. नेहरू रिपोर्ट 1928 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह रिपोर्ट जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा तैयार की गई थी।
2. रिपोर्ट में केवल उन प्रांतों में मुसलमानों के लिए सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई जहां वे अल्पसंख्यक थे।

3. दिल्ली प्रस्ताव नेहरू रिपोर्ट का एक प्रमुख परिणाम था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

कथन 1 ग़लत है: रिपोर्ट एक दस्तावेज़ था, जिसने स्वतंत्र भारत के भविष्य के लिए एक संवैधानिक रूपरेखा तैयार की और ब्रिटिशों से भारतीयों को सत्ता के तत्काल हस्तांतरण का आह्वान किया। रिपोर्ट को तैयार करने वाली समिति में जवाहरलाल नेहरू ने सचिव के रूप में कार्य किया, मोतीलाल नेहरू ने अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था|

कथन 2 सही है: नेहरू रिपोर्ट के प्रावधान ब्रिटिश भारत तक ही सीमित थे, क्योंकि इसमें ब्रिटिश भारत को संघीय आधार पर रियासतों के साथ भविष्य में जोड़ने की परिकल्पना की गई थी। डोमिनियन के लिए, इसने सिफारिश की:

भारतीयों द्वारा वांछित सरकार के स्वरूप के रूप में स्वशासित डोमिनियन की तर्ज पर डोमिनियन का दर्जा|

पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की अस्वीकृति जो अब तक संवैधानिक सुधारों का आधार थी; इसके बजाय केंद्र और उन प्रांतों में मुसलमानों के लिए सीटों के आरक्षण के साथ संयुक्त निर्वाचन मंडल की मांग की गई जहां वे अल्पसंख्यक जनसँख्या थे।

भाषाई प्रांत

महिलाओं के लिए समान अधिकार, संघ बनाने का अधिकार और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सहित उन्नीस मौलिक अधिकार

मुसलमानों के सांस्कृतिक और धार्मिक हितों की पूर्ण सुरक्षा

राज्य का धर्म से पूर्ण पृथक्करण

कथन 3 गलत है: नेहरू की रिपोर्ट से पूर्व दिसंबर 1927 में, मुस्लिम लीग सत्र में बड़ी संख्या में मुस्लिम नेताओं ने दिल्ली में बैठक की थी और अपनी मांगों को संविधान के मसौदे में शामिल करने के लिए चार प्रस्ताव पेश किए थे। ये प्रस्ताव, जिन्हें कांग्रेस के मद्रास सत्र (दिसंबर 1927) में स्वीकार कर लिया गया, को 'दिल्ली प्रस्ताव' के रूप में जाना गया।

Q 51. "वीरशैव परंपरा" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसके अनुयायी पुनर्जन्म के चक्र में विश्वास नहीं करते थे।
2. वीरशैव परंपरा के स्त्री-पुरुष संतों की वाणी को अभंग कहा जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सही है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 3

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (b)

वीरशैव परंपरा एक भक्ति आंदोलन है जो 12वीं शताब्दी में भारत के कर्नाटक में उभरा। इसने भगवान शिव की पूजा पर जोर दिया और जाति व्यवस्था को खारिज किया । इस मत के अनुयायियों को लिंगायत कहा जाता है।
चालुक्य राजवंश ने कर्नाटक में 6वीं से 12वीं शताब्दी तक शासन किया। इस तथ्य के मजबूत प्रमाण उपलब्ध नही है कि, वीरशैव परंपरा का प्रारंभ चालुक्य राजवंश के दौरान हुआ।

कथन 1 सही है: लिंगायतवाद, जो कि वीरशैव परंपरा का एक हिस्सा है, पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारता है।

कथन 2 गलत है: वीरशैव परंपरा के पुरुष और महिला संतों की बातें वचन के रूप में जानी जाती हैं।
अभंग मराठी संत-कवि तुकाराम द्वारा रचित भक्ति काव्य है।

Q 52. समुद्रगुप्त के शासनकाल के विवरण में, प्रयाग प्रशस्ति शिलालेख प्राचीन भारतीय इतिहास में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसके संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह चम्पू काव्य शैली में लिखा गया था।
2. शिलालेख में उल्लेख है कि उसके सीलोन के राजा के साथ मधुर संबंध थे।
3. उन्हें विक्रमांक नाम दिया गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख (प्रयाग प्रशस्ति) की रचना हरिषेण द्वारा की गई थी। यह अत्यंत सरल एवं परिष्कृत संस्कृत में चंपू काव्य शैली में लिखा गया है। इसमें समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का वर्णन किया गया है।

कथन 2 सही है: शिलालेख में सिम्हाला (श्रीलंका) के राजा के साथ समुद्रगुप्त के मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख है, जो सौहार्दपूर्ण संबंधों का संकेत प्रदान करता है।

कथन 3 सही है: समुद्रगुप्त के लिए हरिषेण द्वारा प्रयुक्त शब्द कविराज था। समुद्रगुप्त ने विक्रमांक की उपाधि भी धारण की।

Q 53. ऋग्वैदिक काल की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. वैदिक काल में महिला दासियाँ मौजूद थीं।
2. शूद्र के रूप में सेवा व्यवस्था का अभाव था।
3. युद्ध में प्राप्त लूट मुखिया के राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत थी।
4. पुजारियों को दिया जाने वाला सबसे आम उपहार अनाज था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है?

(a) केवल 1 और 4
(b) केवल 1, 2, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: साक्ष्यो से पता चलता है कि वैदिक काल में महिला दासों का अस्तित्व था। ऋ ग्वेद के कुछ श्लोक में बंदी महिलाओं ('दासी') का उल्लेख है और "अवसथा" शब्द गुलाम महिलाओं को संदर्भित करता है।

कथन 2 सही है: वैदिक काल का सामाजिक विभाजन मुख्य रूप से तीन वर्णों पर आधारित था: ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य। दासों के अस्तित्व को ग्रंथो में वर्णित किया गया है, एक सेवा क्रम के रूप में विशिष्ट "शूद्र" जाति संभवतः उत्तर वैदिक काल में विकसित हुई।

कथन 3 सही है: वैदिक काल के दौरान छापेमारी और युद्ध सामान्य थे। और युद्ध के दौरान लूटी गई सामग्रियों जिनमे मवेशी, भूमि और महिलाएं शामिल थीं, कबीले के सरदार और उसके योद्धाओं के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत होती थीं।

कथन 4 सही है: अनाज निश्चित रूप से कृषि जीवन और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा था। पुरोहितों को प्रदान की जाने वाली साधारण भेंट में गाय, बैल और अन्य मूल्यवान संपत्ति शामिल होती थी। पुरोहितों को प्रदान की जाने वाली भेंट को देवताओं को प्रसन्न करने और समृद्धि सुनिश्चित करने के साधन के रूप में देखा जाता था।

Q 54. गुप्त काल के साहित्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गुप्त काल के दौरान पुराण कठिन साहित्य के रूप में विद्यमान थे।
2. नाटक में भाग लेने वाले, चाहे वे किसी भी जाति के हों, एक ही भाषा का प्रयोग करते थे।
3. गुप्त काल में निर्मित नाटक अधिकतर हास्य नाटक थे।
4. विष्णुधर्मोत्तर पुराण चित्रकला से संबंधित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) उरोक्त सभी

उत्तर: (b)

गुप्तों की राजदरबार की भाषा संस्कृत थी जिसके फलस्वरूप उनके अधीन संस्कृत साहित्य का विकास हुआ।

कथन 1 गलत है: पुराण बार्डिक साहित्य के रूप में गुप्तों के समय से बहुत पहले अस्तित्व में थे। गुप्त युग में उन्हें अंततः संकलित किया गया और उन्हें वर्तमान स्वरूप दिया गया।

कथन 4 सही है: विष्णुधर्मोत्तर पुराण का एक खंड चित्रकला से संबंधित है और यह भित्ति चित्रों के चित्रांकन हेतु सतह की तैयारी और उनमें विभिन्न रंगों के उपयोग के बारे में विस्तृत निर्देश देता है।

कथन 3 सही है: गुप्त काल के दौरान भारत में निर्मित नाटक ज्यादातर हास्य(सुखांत)थे। उनमे किसी प्रकार की कोई त्रासदी (दुखान्त) नहीं पाई जाती थी।

कथन 2 गलत है: नाटक के पात्र चाहे उच्च और निम्न वर्ग के हों, वे समान भाषा का प्रयोग नही करते थे। इन नाटकों में अभिनय करने वाली महिलाएँ और शूद्र प्राकृत भाषा का उपयोग करते हैं जबकि उच्च वर्ग संस्कृत भाषा का उपयोग करते थे।

Q 55. भारत में पाषाण युग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पत्थर के औजारों के किस्म एवं प्रौद्योगिकी के आधार पर विभिन्न कालखंडों की पहचान की जाती है।
2. विभिन्न कालों में उपकरणों के किस्म और प्रौद्योगिकी में कोई क्षेत्रीय भिन्नता नहीं है।
3. विभिन्न कालखंडों की पाषाण युग की संस्कृतियाँ पूरे उपमहाद्वीप में एक समान रूप से विकसित हुईं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: पुरातत्वविद् विभिन्न स्थलों पर पाए गए पत्थर के औजारों के प्रकार और तकनीक के आधार पर पाषाण युग (पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण) के विभिन्न कालखंडो की पहचान करते हैं। औजार के निर्माण की तकनीकी के विकास का अध्ययन करने से प्रारंभिक मनुष्यों की परिवर्तित होती जीवनशैली और क्षमताओं का अध्यन करने में आसानी होती है।

कथन 2 गलत है: समान समयावधि में औजारों के प्रकार और तकनीकी में क्षेत्रीय भिन्नताएँ थीं। अलग-अलग क्षेत्रों की पहुंच अलग-अलग संसाधनों तक थी और उन्हें अलग-अलग पर्यावरणीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। जिसके कारण औजारों के निर्माण और उनके उपयोग में भिन्नताएं पायी गयी ।

कथन 3 गलत है: पाषाण युग की संस्कृतियाँ समान रूप से विकसित नहीं हुई। विभिन्न क्षेत्रों ने विकास और नवाचार की विभिन्न गतियो को अनुभव किया, और स्थानीय अनुकूलन ने सांस्कृतिक विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Q 56. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इमारतों को सजाने के लिए इस्तेमाल किए गए स्वरूप प्लास्टिक कला से थे।
2. इसकी वास्तुकला तीन मेहराबदार अग्रभाग और बल्बनुमा गुंबद के उपयोग के कारण अद्वितीय है।
3. ज़ुम्मा मस्जिद, जल मंजिल, जोड़ गुम्बज और आनंद महल इस वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण हैं।

उपर्युक्त कथनों द्वारा वास्तुकला के निम्नलिखित में से किस विद्यालय का सबसे अच्छा वर्णन किया गया है?

(a) मालवा विद्यालय

(b) जौनपुर विद्यालय

(c) बीजापुर विद्यालय

(d) बंगाल विद्यालय

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: बीजापुर वास्तुकला फ़ारसी, ओटोमन तुर्की और दक्कन वास्तुकला शैली के तत्व को जोड़ती है। बीजापुर प्रांत की इंडो इस्लामिक वास्तुकला अपने शिल्पकला तत्व के लिए भी प्रसिद्ध थी। वे अपनी इमारतों को सजाने के लिए जिन पैटर्न का उपयोग करते थे वे प्लास्टिक कला से थे और इसलिए स्वरूप पैटर्न में व्यक्तिगत थे।

कथन 2 सही है: आदिल शाह के संरक्षण में बीजापुर शैली या वास्तुकला की दक्कन शैली विकसित हुई। उन्होंने कई मस्जिदों, मकबरों और महलों का निर्माण किया जो 3-मेहराबदार अग्रभाग और बल्बनुमा गुंबद के उपयोग में अद्वितीय थे और एक संकीर्ण शीर्ष के साथ लगभग गोलाकार थे। उन्होंने कॉर्निस का उपयोग भी शुरू किया।

कथन 3 सही है: कर्नाटक राज्य के बीजापुर शहर में इंडो इस्लामिक वास्तुकला मध्यकाल में मुस्लिम शासकों के अधीन विकसित हुई। शहर के सबसे महान स्थापत्य अवशेष मीनारें, गुंबद और मकबरे हैं, जैसे - गोल गुंबज, इब्राहिम रौजा, मलिक-ए-मैदान, ऊपरी बुर्ज, चांद बावड़ी, असर महल, गगन महल, बराकमान, जमना मस्जिद, जल मंजिल, सात मंजिल, जोड़ गुम्बज और आनंद महल।

अत: सही उत्तर विकल्प (c) है।

Q57. विजयनगर साम्राज्य में नायकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्हें सैन्य और राजस्व दोनों शक्तियाँ प्राप्त थीं।
2. उनके उदय से गाँव की स्वायत्तता और प्रशासन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
3. यह पद वंशानुगत था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?

(a) 1, 2 और 3
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 2

उत्तर. (d)

कथन 1 सही है: विजयनगर राजाओं द्वारा नायकों को सैन्य गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। वे अपने निर्दिष्ट क्षेत्रों की रक्षा के लिए जिम्मेदार थे और अपनी सेनाओं की कमान स्वयं संभालते थे। इसके अतिरिक्त, उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में कर एकत्र करने और भूमि राजस्व का प्रबंधन करने का काम सौंपा गया था।

कथन 2 सही है: नायकों का उदय गाँव की स्वायत्तता और प्रशासन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ हुआ। उन्होंने अक्सर ग्राम प्रधानों और परिषदों को प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ सौंपकर सत्ता का विकेंद्रीकरण किया। इसने गांवों को स्थानीय मामलों, कृषि और संसाधन प्रबंधन के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार दिया।

कथन 3 गलत है: नायक पद पूरी तरह से वंशानुगत नहीं था। नायकों के पुत्रों को अक्सर सैन्य और प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए वरीयता और प्रशिक्षण मिलता था। उनकी नियुक्ति अंततः विजयनगर राजाओं के द्वारा होती थी। राजा योग्यता, निष्ठा या राजनीतिक विचारों के आधार पर किसी भी व्यक्ति नायक के पद को नियुक्त सकते थे, भले ही वह नायक वंश से नही हों।

Q58. विजयनगर साम्राज्य के दौरान भारत में पुर्तगाली व्यापार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. व्यापारियों द्वारा भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से सॉल्टपीटर, चीनी, चावल, मसाले और कपड़ा शामिल थे।
2. व्यापारियों ने आलू, तम्बाकू, मक्का और काजू को अमेरिका से भारत में संचारण में मदद की।
3. भारत में काली मिर्च, हथियार, गोला-बारूद और युद्ध के घोड़ों के व्यापार पर शाही एकाधिकार था और किसी भी निजी व्यापारी को इन वस्तुओं के व्यापार में शामिल होने की अनुमति नहीं थी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: विजयनगर साम्राज्य के दौरान पुर्तगालियों को निर्यात किये जाने वाली भारतीय वस्तुओ में मुख्य रूप से शोरा, चीनी, चावल, मसाले (विशेष रूप से काली मिर्च), और वस्त्र शामिल थे। ये सभी वस्तुएँ यूरोप में मूल्यवान वस्तुएँ थीं और भारत के साथ पुर्तगाली व्यापार का बड़ा हिस्सा थीं। पुर्तगालियों ने समुद्री मार्गों को नियंत्रित करने का भी प्रयास किया और अन्य नागरिकों को समुद्री डाकुओं से सुरक्षा प्रदान की।

कथन 2 सही है: पुर्तगालियों द्वारा भारत में अमेरिका से कुछ नई फसलो को लाया गया जैसे तंबाकू, मक्का, आलू, काजू और मिर्च।

कथन 3 सही है: एक नीतिगत उपाय के रूप में, भारत में काली मिर्च, हथियार, गोला-बारूद और युद्ध के घोड़ों का व्यापार एक शाही एकाधिकार था और किसी भी निजी व्यापारियों को इन वस्तुओं के व्यापार में शामिल होने की अनुमति नहीं थी। हालाँकि पुर्तगालियों ने इस व्यवस्था में परिवर्तन करने की कोशिश की लेकिन विजयनगर साम्राज्य की मजबूत स्तिथि के कारण, वे इसमें परिवर्तन करने में असफल रहे।

Q 59. दिल्ली सल्तनत काल के दौरान कला और स्थापत्य विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कुतुब मीनार और अलाई दरवाजा दिल्ली सल्तनत वास्तुकला के उदाहरण हैं।
2. संगीत की नई शैली जिसे कव्वाली के नाम से जाना जाता है, का सृजन अमीर खोसरो ने किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: दिल्ली सल्तनत अपनी स्मारकीय वास्तुकला के लिए जाना जाता है, जिसमें कुतुब मीनार, अलाई दरवाजा, जामा मस्जिद और गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा शामिल है। ये संरचनाएँ भारतीय, फ़ारसी और इस्लामी स्थापत्य शैली का मिश्रण को दर्शाती हैं।

कथन 2 सही है: अमीर खुसरो को "कव्वाली का जनक" माना जाता है। उन्हें फ़ारसी और अरबी तत्वों को शामिल करके भारतीय शास्त्रीय संगीत को समृद्ध करने का श्रेय भी दिया जाता है और अमीर खुसरो संगीत की ख्याल और तराना शैलियों के प्रवर्तक थे।

Q 60. सूफीवाद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मुगल शासन के दौरान सूफीवाद का भारत में आगमन हुआ।
2. सूफ़ी संतों ने मानवता और सहिष्णुता पर आधारित एक नये धर्म की स्थापना की।
3. उन्होंने स्वतंत्र विचार और उदार विचारों पर जोर देने के लिए कुरान का बहिष्कार किया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

कथन 1 गलत है: सूफीवाद ने मुगल शासन से बहुत पहले, दिल्ली सल्तनत के तहत 10वीं और 11वीं शताब्दी के आसपास भारत में प्रवेश किया। मुगल काल के दौरान सूफीवाद को और अधिक प्रसिद्धि मिली, लेकिन यह इस क्षेत्र के लिए बिल्कुल नया नहीं था।

कथन 2 ग़लत है: सूफ़ी संतों ने सहिष्णुता, मानवता और सभी के लिए प्रेम का उपदेश दिया। उन्होंने इस्लाम से अलग कोई नया धर्म स्थापित नहीं किया। सूफीवाद को इस्लाम के भीतर एक रहस्यमय शाखा के रूप में समझा जा सकता है, जो व्यक्तिगत अनुभव और ईश्वर के साथ संबंध पर केन्द्रित थी।

कथन 3 गलत है: कुरान का बहिष्कार पूरी तरह से सूफीवाद के मूल सिद्धांतों के खिलाफ था । सूफ़ी शिक्षाएँ और प्रथाएँ कुरान और अन्य धार्मिक ग्रंथों सहित इस्लामी परंपराओं में गहराई से निहित हैं। हालाँकि उन्होंने धर्मग्रंथों की अपने तरीके से

व्याख्या की और विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया। लेकिन उन्होंने कुरान जैसी पवित्र पुस्तक के किसी भी हिस्से को त्यागने या बहिष्कार करने की वकालत नहीं की।

Q 61. समाभंगा, आभंगा, अतिभंगा शब्द किससे संबंधित हैं?

(a) मंदिर वास्तुकला
(b) नृत्य मुद्राएँ
(c) रंग संयोजन
(d) हिंदुस्तानी संगीत में संगीत राग

उत्तर: (b)

समभंग, अभंग, अतिभंग शब्द का उपयोग भरतनाट्यम और ओडिसी जैसे भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में विभिन्न शारीरिक मुद्राओं का वर्णन करने के लिए जाता हैं। अत: विकल्प (b) सही उत्तर है।

समभंग का शाब्दिक अर्थ 'समान झुकना' है, जो एक केंद्रीय अक्ष के साथ संरेखित शरीर के सभी हिस्सों के साथ, एक संतुलित और सीधी मुद्रा का प्रतिनिधित्व करता है।

अभंग शब्द का अर्थ है 'केंद्र से बाहर' या थोड़ा मुड़ा हुआ, जहां शरीर पूरी तरह से संरेखित नहीं है लेकिन एक सुंदर वक्र बनाता है।

अतिभंग शब्द का अर्थ 'अत्यधिक मोड़' है। जो शरीर के एक मजबूत झुकाव या झुकने का संकेत देता है तथा अक्सर घुटनों को मोड़कर, एक गतिशील और अभिव्यंजक मुद्रा बनाता है।

Q 62. भारत में मुगलों के सांस्कृतिक इतिहास के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. भारत में इंडो-इस्लामिक वास्तुकला की शुरुआत मुगलों के शासनकाल से हुई।
2. सिकंदरा में अकबर के मकबरे के सजावटी रूपांकनों में कमल और स्वस्तिक जैसे तत्व शामिल हैं।
3. बुलंद दरवाजा अकबर ने गुजरात पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में बनवाया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

कथन 1 गलत है: मुगलों ने भारत-इस्लामी वास्तुकला को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित और समृद्ध किया। लेकिन भारत-इस्लामी वास्तुकला भारत में उनके आगमन से पहले का है। सबसे शुरुआती उदाहरण 11वीं और 12वीं शताब्दी में ग़ज़नवी और घुरिद राजवंशों से मिलते हैं।

कथन 2 सही है: सिकंदरा, में अकबर के मकबरे में वास्तव में कमल के फूल और स्वस्तिक जैसे सजावटी रूपांकन हैं। ये तत्व इस्लामी और हिंदू कलात्मक परंपराओं के मिश्रण को दर्शाते हैं जो मुगल वास्तुकला की विशेषता है।

कथन 3 सही है: बुलंद दरवाजा, फ़तेहपुर सीकरी में एक स्मारकीय प्रवेश द्वार है। जिसे अकबर ने 1575 में गुजरात पर अपनी जीत के उपलक्ष्य में बनवाया था। द्वार पर शिलालेख इस ऐतिहासिक संदर्भ की पुष्टि करता है।

Q 63. कबर की धार्मिक नीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उसने पवित्र स्थानों पर स्नान करने पर तीर्थयात्रा कर समाप्त कर दिया।
2. उन्होंने युद्धबंदियों को जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने की प्रथा को समाप्त कर दिया
3. उन्होंने सभी धर्मों के सामान्य बिंदुओं के आधार पर "दीन-ए-इलाही' की स्थापना की।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: अकबर ने अपने साम्राज्य में गैर-मुसलमानों पर लगाए जाने वाले कर जजिया को समाप्त कर दिया था। उन्होंने प्रयाग और बनारस जैसे पवित्र स्थानों पर स्नान पर लगने वाले तीर्थयात्रा कर को भी समाप्त कर दिया था। धार्मिक सहिष्णुता के इस कार्य की उनकी हिंदू प्रजा ने सराहना की और एक न्यायप्रिय शासक के रूप में उनकी स्थिति को मजबूती से सुनिश्चित किया।

कथन 2 सही है: अकबर के शासनकाल के दौरान युद्धबंदियों के धर्म परिवर्तन के कुछ मामले आये थे, यद्यपि उनकी नीति ने आम तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन को हतोत्साहित किया। उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और संवाद पर जोर दिया, यहां तक कि अपने दरबार में विभिन्न धर्मों के विद्वानों को नियुक्त किया।

कथन 3 सही है: अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य इस्लाम, हिंदू धर्म, जैन धर्म और ईसाई धर्म जैसे विभिन्न धर्मों के तत्वों को एकजुट करना था। हालाँकि इसे व्यापक स्वीकृति नहीं मिली, लेकिन इसने धार्मिक सद्भाव और समझ के लिए अकबर की व्यक्तिगत खोज को प्रतिबिंबित किया।

Q 64. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

	भूमि के प्रकार	**विवरण**
1.	शालभोग	मंदिरों को दान में दी गई भूमि।
2.	पल्लीछंदम	स्कूल के रखरखाव के लिए भूमि।
3.	वेल्लनवागई	गैर-ब्राह्मण किसान स्वामियों की भूमि।

उपर्युक्त युग्मों में से कौन सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

- चोल शिलालेखों में भूमि की कई श्रेणियों का उल्लेख है। ये हैं:
- 'वेल्लनवगई': गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि। इसलिए, विकल्प 3 सही है।
- ब्रह्मादेय: ब्राह्मणों को दान में दी गई भूमि।
- शालाभोग: विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि। अत: विकल्प 1 गलत है।
- देवदान: मंदिरों को दान में दी गई भूमि।
- पल्लीछंदम: जैन संस्थाओं को दान में दी गई भूमि। अत: विकल्प 2 गलत है।

65. क्षेत्रों के बीच वास्तुशिल्प विचारों के आदान-प्रदान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: विजयनगर शासकों के हाथी अस्तबल बांग्ला गुंबद से प्रभावित थे।

कथन II: वृन्दावन में निर्मित मंदिरों की स्थापत्य शैली मुगल महलों के समान थी।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

कथन 1 गलत है: विजयनगर के शासकों के हाथी अस्तबल बीजापुर और गोलकुंडा के निकटवर्ती सल्तनतों की वास्तुकला की शैलियों से प्रभावित थे।

कथन 2 सही है: वृन्दावन के मंदिरों की वास्तुकला फ़तेहपुर सीकरी के मुग़ल महलों के समान थी। अकबर की राजधानी फ़तेहपुर सीकरी की कई इमारतें गुजरात और मालवा की स्थापत्य शैली से प्रभावित थीं। जोधबाई महल की छत गुजरात क्षेत्र की शैली का अनुसरण करती है।

बंगाल में स्थानीय शासकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली छत की एक शैली, "बांग्ला गुंबद", जो एक फूस की झोपड़ी जैसी दिखती थी, मुगलों द्वारा अपनाई गई थी।

Q 66. निम्नलिखित में से कौन वीरशैव आंदोलन से जुड़ा था/थे?

1. बसवन्ना
2. अल्लामा प्रभु
3. अक्कमहादेवी

नीचे दिए गए विकल्प का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

- बसवन्ना (1105-1160 ई.) को वीरशैव आंदोलन का संस्थापक माना जाता है। बसवन्ना एक दार्शनिक, समाज सुधारक और कवि थे। वे सामाजिक समानता के पक्षधर थे ,उन्होंने जातिगत भेदभाव को खारिज कर दिया और शिव के प्रति व्यक्तिगत भक्ति (लिंग प्रतीक द्वारा दर्शाया गया) पर जोर दिया।
- अल्लामा प्रभु (1130-1215 ई.) बसवन्ना के करीबी शिष्य थे। अल्लामा प्रभु एक विद्वान, धर्मशास्त्री और लेखक थे। उन्होंने वीरशैव दर्शन और साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बसवन्ना की शिक्षाओं पर कई वचन (रहस्यमय कविताएँ) और टिप्पणियाँ लिखीं।
- अक्कमहादेवी (12वीं शताब्दी ई.) एक श्रद्धेय और रहस्यवादी कवि थीं। अक्कमहादेवी ने सामाजिक मानदंडों को चुनौती दी और एक गैर-अनुरूपतावादी जीवन शैली अपनाई। उनके वचन, जो शिव भक्ति की भावुक और अपरंपरागत अभिव्यक्तियों के लिए जाने जाते हैं, वीरशैव आंदोलन के अनुयायियों को प्रेरित करते रहते हैं।

Q 67. प्राचीन भारत के साहित्यिक स्रोतों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. यजुर्वेद प्राचीन काल की लोक परंपराओं पर विस्तार से प्रकाश डालता है और उस समय के लोकप्रिय धर्म का प्रतिनिधित्व करता है।
2. अथर्ववेद में मुख्य रूप से अनुष्ठान शामिल हैं जो आम तौर पर उस समय के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश का दस्तावेजीकरण करने वाले भजनों के पाठ के साथ होते हैं।

उपर्युक्त निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

'वेद' शब्द 'श्रेष्ठ ज्ञान' का प्रतीक है। वैदिक साहित्य में चार वेद शामिल हैं - ऋगवेद, यजुर्वेद , सामवेद और अथर्ववेद।

कथन 1 गलत है: यजुर्वेद में मंत्रों के पाठ के साथ होने वाले अनुष्ठानों के बारे में विस्तार से बताया गया है। इस संहिता के अनुष्ठान और भजन इस काल के सामाजिक और राजनीतिक परिवेश का दस्तावेजीकरण करते हैं।

ऋग्वेद चार वेदों में सबसे पहला है, और इसमें 1028 श्लोक हैं। विभिन्न देवताओं की स्तुति में श्लोक गाए गए। यजुर्वेद में यज्ञ के समय पालन किये जाने वाले विभिन्न नियमों का विवरण है।

सामवेद को यज्ञ के दौरान जप के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसे मंत्रों की पुस्तक कहा जाता है और इसमें भारतीय संगीत की उत्पत्ति का पता लगाया जाता है। अथर्ववेद में अनुष्ठानों का विवरण है।

कथन 2 गलत है: अथर्ववेद में इस काल की लोक परंपरा शामिल है और लोकप्रिय धर्म का प्रतिनिधित्व करता है। यह आम लोगों की सामाजिक-धार्मिक स्थितियों को समझने का एक अच्छा स्रोत है।

Q 68. प्राचीन शब्द वृहि, तंदुल और सलि, जो अक्सर वैदिक काल के दौरान उपयोग किए जाते थे, निम्नलिखित में से किस विकल्प को संदर्भित करते हैं

1. गन्ना
2. जौ
3. चावल
4. गेहूँ

उत्तर: (c)

- उत्तर वैदिक काल में कृषि का विकास गंगा-यमुना दोआब और मध्य गंगा घाटी के उपजाऊ जलोढ़ भूमि के विशाल मैदान की उपलब्धता से संभव हुआ, जो धीरे-धीरे पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व में बसा था।
- हालाँकि, बाद के वैदिक ग्रंथ पशुचारण के निरंतर महत्व को दर्शाते हैं। पुरातात्विक और साहित्यिक दोनों स्रोत लोगों के मुख्य आहार के रूप में चावल की शुरूआत का उल्लेख करते हैं। पीजीडब्ल्यू चित्रित धूसर मृदभांड और बनास संस्कृति के उत्खनन स्थलों से जले हुए चावल के दाने मिलते हैं।
- वैदिक ग्रंथों में वृहि, तंदुला और सलि का उल्लेख है। ये सभी चावल को दर्शाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि अब फसल उगाने का अभ्यास किया जाता था, और खेतों में जौ और चावल उगते थे। इस काल के वैदिक अनुष्ठान में जैसे- राजासुय में दूध, घी और जानवरों के साथ अनाज का दान/भेट शामिल है। अथर्ववेद में भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिए बारह यज्ञ बताए गए हैं। अत: विकल्प (c) सही उत्तर है।

Q 69. महाजनपदों के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इस काल में पहली बार स्थायी सेना अस्तित्व में आई।
2. भागदुध ने भागा अर्थात कृषि उपज का एक हिस्सा एकत्र किया।
3. रज्जुग्राहक ने कृषि भूमि का सर्वेक्षण किया।
4. अधिकांश मामलों में महाजनपद प्रमुख क्षत्रिय वंश का नाम रखते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: c

कथन 1 सही है:जिन क्षेत्रों में कब्जा कर लिया जाता था वहाँ पूर्व के मवेशियों की लूट मार की प्रणाली को संगठित अभियान द्वारा प्रतिस्थापित किया गया,
कृषकों और व्यापारियों को कर देने के लिए मजबूर किया जाता था। इस प्रकार, महाजनपदों के काल में पहली बार स्थायी सेना की स्थापना हुई।

कथन 2 सही है: भागदुधा नामक एक अधिकारी भागा अर्थात् कृषि उपज का एक हिस्सा/भाग को एकत्र करता था।
फसलों पर कर सबसे महत्वपूर्ण थे। इसका कारण यह था कि अधिकांश लोग किसान थे। सामान्यतः कर उत्पादन का 1/6 भाग निर्धारित किया जाता था।

कथन 3 सही है: कृषि भूमि का सर्वेक्षण रज्जुग्राहक नामक एक अधिकारी द्वारा किया गया था। जातक में शाही अधिकारियों द्वारा अनाज को राजा के भंडार में भेजने के लिए उसे मापने का उल्लेख है।

कथन 4 ग़लत है: अधिकांश मामलों में महाजनपदों का नाम प्रमुख क्षत्रिय वंश के नाम पर नहीं था। उदाहरण के लिए, कोशल, मगध, अवंती और वत्स का नाम किसी क्षत्रिय वंश के नाम पर नहीं रखा गया था।

Q 70 मौर्य वास्तुकला के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

कथन I: मौर्यकालीन स्तंभ एकल विशाल बलुआ पत्थर के खंडों से बनाए गए थे।

कथन II: स्तम्भ मूर्तियों से रहित थे, जिससे उन्हें एक साधारण स्वरूप मिलता था।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: मौर्यों ने कला और वास्तुकला में उल्लेखनीय योगदान दिया और व्यापक पैमाने पर पत्थर की चिनाई की शुरुआत की। सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के बाद, केवल मौर्य काल में ही स्मारकीय पाषाण शिल्पकला और वास्तुकला फिर से दृश्य में दिखाई दी। अशोक के स्तंभ भूरे रंग के बलुआ पत्थर के एक टुकड़े से स्वतंत्र रूप से खड़े स्तंभों के रूप में बनाए गए थे।

कथन 2 गलत है: मौर्य अपनी जटिल नक्काशी और प्रतीकवाद के लिए जानी जाती हैं। सारनाथ की सिंह स्तम्भ इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जिसमें जानवरों और पुष्प रूपांकनों से सजी घंटी के आकार के ऊपर एक राजशी शेर की आकृति है। अन्य प्रतिमा हाथियों, बैलों और विभिन्न पौराणिक प्राणियों को दर्शाती हैं।

Q 71. आजीवकों के संप्रदाय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. इसे मक्खलिपुत्र गोसाल द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था।
2. बौद्ध धर्म और जैन धर्म के विपरीत, वे कर्म के सिद्धांत में विश्वास करते थे।
3. उनका मानना था कि व्यक्ति के विचार और कर्म पूर्व निर्धारित होते हैं।
4. उन्होंने मानव की स्वतंत्र इच्छा की वकालत की और अनुयायियों से नियति से लड़ने का आग्रह किया।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही हैं

(a) केवल 1 और 4

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: मक्खलिपुत्र गोसाल,महावीर और बुद्ध के समकालीन थे और उन्होंने आजीवक दर्शन को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कथन 2 ग़लत है: आजीविक कर्म की अवधारणा में विश्वास नहीं करते थे, जो वर्तमान और भविष्य के जीवन पर पिछले कार्यों के प्रभाव पर जोर देती है। इसके बजाय, उन्होंने नियति, पूर्ण नियतिवाद का सिद्धांत प्रतिपादित किया जो किसी व्यक्ति के भाग्य सहित सब कुछ, ब्रह्मांडीय शक्तियों द्वारा पूर्व निर्धारित होता है।

कथन 3 सही है: यह कथन नियति में आजीविक विश्वास के साथ संरेखित है, यह सुझाव देता है कि स्वतंत्र इच्छा एक भ्रम है और कार्यों का किसी के भाग्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

कथन 4 गलत है: यह नियति के मूल सिद्धांत का खंडन करता है और अजीविका विश्वदृष्टि के विरुद्ध जाता है। वे किसी के पूर्वनिर्धारित भाग्य को स्वीकार करने में विश्वास करते थे, उसमे परिवर्तन करने में नहीं।

Q72. गुप्त काल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भूमि अनुदान से सामान्य कृषकों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ।
2. इस अवधि के दौरान विष्टि या अवैतनिक श्रम की प्रथा लागू थी।
3. करों में कमी और उनके युक्तिकरण से आम लोगों के बीच प्रयोज्य आय में वृद्धि हुई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?

(a) केवल 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1 और 2

कथन 1 सही नहीं है: शासकों से भूमि प्राप्तकर्ताओं और गांवों में भूमि स्वामियों की प्रभावशाली श्रेणियों की तुलना में, सामान्य कृषकों की स्थिति काफी खराब मानी जा सकती है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि भूमि अनुदान की प्रथा के कारण किसान आबादी समाज में बहुत निचले स्तर पर आ गई थी। ये पूरी तरह से झूठ नहीं है. सामान्य कृषक, जिन्हें कृषिबाला, कार्षका या किनास जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है, की आर्थिक और सामाजिक स्थिति निम्न थी।

वास्तविक कृषकों में से कुछ ने दूसरों की भूमि पर कृषि की और उन्हें उपज का केवल एक हिस्सा प्राप्त हुआ। अत: स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

कथन 2 सही है: कुछ ऐसे कारण थे जिनकी वजह से सामान्य कृषकों की स्थिति में गिरावट आई।

नये शासकों और उनके अधिकारियों के छोटे-छोटे राज्य और ऐसे लोगों के वर्ग जो कृषि में भाग नहीं लेते थे।

इसके अलावा, विष्टि (अवैतनिक श्रम) लगाने की प्रथा भी प्रचलन में थी, हालाँकि हम नहीं जानते कि कृषि उत्पादन के लिए यह कितना आवश्यक था। ऐसा प्रतीत होता है, कुल मिलाकर सामान्य कृषकों की हालत पहले के दौर से भी बदतर हो गई।

कथन 3 गलत है: इस अवधि में उत्पादकों पर राज्य द्वारा लगाए गए करों की संख्या में भी वृद्धि हुई। अत: कर में कोई कमी नहीं हुई।

Q 73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मुस्लिम शासकों द्वारा हिंदुओं पर अत्याचार।
2. हिन्दू समाज में उच्च जाति के व्यक्तियों द्वारा निम्न वर्ग के साथ दुर्व्यवहार।
3. भक्ति संतों का उत्साह एवं प्रेरणा।
4. उपजाऊ भूमि की उपलब्धता एवं लौह उत्पादन में वृद्धि।

उपरोक्त में से कितने कारकों ने भक्ति आंदोलन के विकास में मदद की?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: मुस्लिम शासकों द्वारा हिंदुओं के उत्पीड़न, जिन्होंने उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने की कोशिश की और अगर वे इस्लाम के अनुयायी बनने के लिए तैयार नहीं थे तो जजिया लगाया, ने भक्ति आंदोलन के विकास में मदद की।

कथन 2 सही है: उच्च जाति के व्यक्तियों द्वारा हिंदू समाज में निचले वर्गों के साथ दुर्व्यवहार के कारण निचली जाति के लोगों को अन्याय और क्रूरता का सामना करना पड़ता था। इसलिए, जहां तक भगवान की भक्ति का सवाल है, भक्ति संतों की शिक्षाएं, जिन्होंने जातियों की समानता का उपदेश दिया, निचली जातियों के लोगों को पसंद आईं।

कथन 3 सही है: भक्ति संतों का उत्साह और प्रेरणा। उन्होंने हिंदू समाज की बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया और इसे एक नई शक्ति और शक्ति प्रदान की।

कथन 4 गलत है: छठी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान उपजाऊ भूमि की उपलब्धता के कारण कृषि का विकास हुआ और बड़ी मात्रा में लौह अयस्क की उपलब्धता के कारण लौह उत्पादन में वृद्धि हुई जिससे महाजनपदों के उद्भव में मदद मिली।

Q 74. निम्न पर विचार कीजिए:

1. निकोलो डी कोंटी
2. अब्दुर रज्जाक
3. अल-बरूनी
4. डुआर्टे बारबोसा

निम्नलिखित में से कौन सा यात्री विजयनगर साम्राज्य के काल में भारत आया था?

(a) केवल 1, 2, और 3
(b) केवल 2, 3, और 4
(c) केवल 1, 3, और 4

(d) केवल 1, 2, और 4

उत्तर: (d)

- 1414 से 1438 तक, वेनिस के व्यापारी निकोलो डी कोंटी ने पूरे पूर्वी क्षेत्रों की यात्रा की। देवराय द्वितीय के दौरान, उन्होंने विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की और निकोलो कोंटी ट्रेवल्स में एक नोट लिखा।
- देवराय द्वितीय के शासनकाल के दौरान, फ़ारसी विद्वान और इतिहासकार अब्दुर रज्जाक ने विजयनगर साम्राज्य का दौरा किया। उन्होंने देवराय द्वितीय के शासनकाल का विवरण दिया। उन्हें 1442 में तिमुरिड राजवंश के फ़ारसी राजा शाहरुख़ ने कालीकट के राजा ज़मोरिन के दरबार में भेजा था।
- अल-बिरूनी, एक प्रसिद्ध गणितज्ञ और खगोलशास्त्री, ग्यारहवीं शताब्दी (11 ईस्वी) में महमूद गजनी की हमलावर सेनाओं के साथ भारत आया। वह भारतीय विज्ञान और दर्शन का गहन अध्ययन करने के लिए 1017-1030 तक भारत में रहे।

Q 75. मध्यकालीन भारत के संदर्भ में, "बंदोबस्त प्रणाली" निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) भूमि राजस्व

(b) न्यायपालिका

(c) धार्मिक नीति

(d) गुलामी

उत्तर: (a)

बंदोबस्त प्रणाली, जिसे ज़ब्ती प्रणाली के रूप में भी जाना जाता है, राजा टोडरमल द्वारा शुरू की गई थी। जिन्होंने अपने पहले गुरु शेरशाह सूरी के अधीन अपने कौशल को निखारा था। इसके अंतर्गत विभिन्न फसलों की औसत उपज के साथ-साथ पिछले दस वर्षों में प्रचलित औसत कीमतों की गणना की गई।

भूमि को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया था:

- पोलज: हर साल खेती की जाती है।
- परती: दो साल में एक बार खेती की जाती है।
- चाचर: तीन या चार साल में एक बार खेती की जाती है।
- बंजर: पांच या अधिक वर्षों में एक बार खेती की जाती है।

Q 76. दिल्ली सल्तनत के दौरान स्थापित निम्नलिखित विभागों पर विचार कीजिए:

1. दीवान-ए-मुस्तखराज
2. दीवान-ए-अमीर कोही
3. दीवान-ए-बंदगान
4. दीवान-ए-रियासत
5. दीवान-ए-ख़ैरात
6. दीवान-ए-अर्ज़

उपर्युक्त में से किसकी स्थापना फ़िरोज़ शाह तुगलक के शासनकाल के दौरान की गई थी?

(a) केवल 1, 2 और 5

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 3 और 5

(d) केवल 3, 4 और 6

उत्तर (c)

व्याख्या:

- दीवान-ए-अमीर कोही मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा शुरू किया गया कृषि विभाग था।
- दीवान-ए-बंदगान फ़िरोज़ शाह तुगलक द्वारा शुरू किया गया दासों का विभाग था।
- दीवान-ए-मुस्तखराज की शुरुआत अलाउद्दीन खिलजी ने की थी। विभाग का उद्देश्य साम्राज्य के विभिन्न हिस्सों से राजस्व भुगतान के बकाया की जांच करना और उसे वसूल करना था।
- फ़िरोज़ शाह तुगलक ने दीवान-ए-ख़ैरात (दान विभाग) नामक एक नए विभाग की स्थापना की। विभाग का उद्देश्य अनाथों और विधवाओं की देखभाल करना था।
- दीवान-ए-अर्ज की स्थापना बलबन ने की थी। यह मूलतः सैन्य विभाग था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने दीवान-ए-रियासत की स्थापना की। इसका प्राथमिक कार्य सुल्तान द्वारा जारी आर्थिक नियमों को लागू करना और बाजारों और कीमतों को नियंत्रित करना था।
- अत: विकल्प (c) सही है

Q 77. खिलजी राजवंश, जिसने कभी दिल्ली सल्तनत पर शासन किया था, के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सत्ता में आने पर खिलजियों ने तुर्की कुलीन वर्ग के लिए उच्च पद आरक्षण सुनिश्चित किये थे।
2. जलाउद्दीन खिलजी ने मुख्य रूप से भारत को इस्लामिक राज्य में परिवर्तित करने का प्रयास किया था।
3. यह राजवंश दिल्ली सल्तनत का सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला राजवंश बन गया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: सत्ता में आने पर खिलजियों ने तुर्कों को उच्च पदों से बाहर नहीं किया, बल्कि उच्च पदों पर पहले से मौजूद तुर्कों के एकाधिकार को समाप्त कर दिया।
- कथन 2 गलत है: जलाउद्दीन खिलजी दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने यह विचार प्रस्तुत किया कि कोई भी राज्य, सरकार के स्वैच्छिक समर्थन पर आधारित होती है। उसके अनुसार, चूंकि भारत में अधिकांश लोग हिंदू थे, इसलिए भारत में कोई राज्य वास्तव में इस्लामिक राज्य नहीं हो सकता है।
- कथन 3 गलत है: दिल्ली सल्तनत पर सबसे लंबे समय तक शासन करनेवाला राजवंश तुगलक राजवंश था।

Q 78. दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. नयनार ऐसे लोग थे जो शिव के भक्त थे।
2. नलयिरा दिव्यप्रबंधम अलवार की रचनाओं के प्रमुख संकलनों में से एक था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: कुछ शुरुआती भक्ति आंदोलनों (लगभग छठी शताब्दी) का नेतृत्व अलवर (शाब्दिक रूप से, जो विष्णु की भक्ति में लीन रहते हैं) और नयनार (शाब्दिक रूप से नेता, जो शिव के भक्त थे) ने किया था।
- कथन 2 सही है: अलवर और नयनारों की परंपराओं के महत्व को कभी-कभी इस दावे से संकेत मिलता था कि उनकी रचनाएँ वेदों जितनी ही महत्वपूर्ण थीं। उदाहरण के लिए, अलवर की रचनाओं के प्रमुख संकलनों में से एक, नलयिरा दिव्यप्रबंधम को प्रायः तमिल वेद के रूप में वर्णित किया गया था, इस प्रकार यह दावा किया गया था कि यह पाठ संस्कृत के चार वेदों जितना ही महत्वपूर्ण था, जिन्हें ब्राह्मणों द्वारा पूरित किया गया था।

Q 79. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बराबर पहाड़ियों की गुफाओं को चंद्रगुप्त मौर्य ने आजीवक संप्रदाय के लिए संरक्षित किया था।
2. बराबर पहाड़ियों की गुफाओं के अग्रभाग को प्रवेश द्वार के रूप में अर्धवृत्ताकार चैत्य मेहराब से अलंकृत किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: आजीवक भारतीय दर्शन के नास्तिक या 'हेटेरोडॉक्स' स्कूलों में से एक है। मक्खलि गोशाल को 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में इसका संस्थापक माना जाता है। मौर्य सम्राट अशोक के समय, आजीवक से संबंधित कई गुफाएं चट्टानों को काटकर बनाई गई थी, जिन्होंने आजीविक संप्रदाय को संरक्षण दिया था।
- कथन 2 सही है: बिहार में गया के पास बाराबर पहाड़ियों पर खुदी हुई चट्टान को काटकर बनाई गई गुफा को लोमस ऋषि गुफा के रूप में जाना जाता है। गुफा के अग्रभाग को प्रवेश द्वार के रूप में अर्धवृत्ताकार चैत्य मेहराब से सजाया गया है। चैत्य मेहराब पर चित्रवल्लरी में उच्च उभार का हाथी उकेरा गया है। इस गुफा का आंतरिक हॉल आयताकार है जिसके पीछे एक गोलाकार कक्ष है।

Q 80. संगम साहित्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संगम ग्रंथ मुख्यतः धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के थे।
2. संगम कविताओं में राजाओं और सरदारों के सैन्य कार्यों का वर्णन है।
3. इस साहित्य से यवनों (विदेशियों) के साथ व्यापार की जानकारी मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर (d)

व्याख्या:

- संगम साहित्य सबसे पहले उपलब्ध तमिल साहित्य का संकलन है। 'संगम' शब्द का शाब्दिक अर्थ है संगति। इसका तात्पर्य तमिल कवियों के एक संघ से है जो प्राचीन दक्षिणी भारत में फला-फूला था।
- **कथन 1 सही है:** संगम ग्रंथ वैदिक ग्रंथों, विशेषकर ऋग्वैदिक ग्रंथों से भिन्न हैं। वे धार्मिक साहित्य नहीं हैं। असंख्य कवियों द्वारा अनेक नायकों और नायिकाओं की प्रशंसा में छोटी और लंबी कविताएँ रची गईं। इस प्रकार वे स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष हैं।
- **कथन 2 सही है:** संगम साहित्य आदिम गीत नहीं हैं, लेकिन वे उच्च गुणवत्ता वाले साहित्य को दर्शाते हैं। कई कविताओं में किसी योद्धा या सरदार या राजा का नाम लेकर उल्लेख किया गया है और उनके सैन्य अभियानों का विस्तार से वर्णन किया गया है। उनके द्वारा भाटों और योद्धाओं को दिए गए उपहारों का जश्न मनाया जाता है। ये कविताएँ शायद दरबारों में पढ़ी जाती होंगी।
- **कथन 3 सही है:** संगम ग्रंथों में कावेरीपट्टनम सहित कई बस्तियों का उल्लेख है, जिनका समृद्ध अस्तित्व अब पुरातात्विक रूप से प्रमाणित है। वे यवनों (विदेशियों) के अपने जहाजों में सोने के साथ काली मिर्च खरीदने और मूल निवासियों को शराब और महिला दासियों की आपूर्ति करने के बारे में भी बताते हैं। इस व्यापार के बारे में केवल लैटिन और ग्रीक लेखों से ही नहीं बल्कि पुरातात्विक अभिलेखों से भी पता चलता है।

Q 81. प्राचीन काल में दक्षिण भारत में निम्नलिखित में से किस प्रकार के गाँव पाए जाते थे?

1. उर
2. सभा
3. नगरम

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) 1, 2 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) केवल 1 और 3

उत्तर (a)

व्याख्या:

- ग्रामीण विस्तार: प्राचीन काल में दक्षिण भारत में हमें तीन प्रकार के गाँव देखने को मिलते हैं; उर, सभा, और नगरम्।
- उर सामान्य प्रकार का गाँव था जिसमें किसान जातियाँ निवास करती थीं, जो संभवतः इसे समान मानती थीं; उनकी ओर से कर एकत्र करना और भुगतान करना ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी थी। ये गाँव मुख्यतः दक्षिणी तमिलनाडु में पाए जाते थे।
- सभा प्रकार के गाँवों में ब्रह्मदेय गाँव या ब्राह्मणों को दिए गए गाँव और अग्रहार गाँव शामिल थे। ब्राह्मण मालिकों को भूमि पर व्यक्तिगत अधिकार प्राप्त थे लेकिन वे अपनी गतिविधियाँ सामूहिक रूप से चलाते थे।
- नगरम प्रकार के गाँव में व्यापारियों और व्यापारियों के संयोजन द्वारा बसे और प्रभुत्व वाले गाँव शामिल थे।
- अत: विकल्प (a) सही उत्तर है।

Q 82. विजयनगर साम्राज्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. साम्राज्य में किलों की सात पंक्तियाँ शामिल थीं जो न केवल शहर को बल्कि इसके कृषि योग्य अंदरूनी इलाकों और जंगलों को भी घेरती थीं।
2. दीवारों के निर्माण में कहीं भी मोर्टार या सीमेंट तत्वों का उपयोग नहीं किया गया था।
3. पानी के टैंक और नहरें साम्राज्य की एक प्रमुख विशेषता थीं।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (c)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: पंद्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (वर्तमान कोझीकोड) में भेजे गए एक राजदूत अब्दुर रज्जाक ने किलों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया था। इन पंक्तियों से न केवल शहर बल्कि उसके कृषि क्षेत्र और जंगल भी घिरे हुए थे। सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर की पहाड़ियों से जुड़ी हुई थी।
- कथन 2 सही है: विशाल चिनाई निर्माण थोड़ा पतला था। निर्माण में कहीं भी मोर्टार या सीमेंटिंग तत्वों का उपयोग नहीं किया गया था। पत्थर के खंड पच्चर के आकार के थे, जो उन्हें अपनी जगह पर स्थिर रखते थे, और दीवारों का आंतरिक भाग मलबे से भरी हुई मिट्टी का बना था। वर्गाकार या आयताकार बुर्ज बाहर की ओर निकले हुए थे।
- कथन 3 सही है: आसपास का क्षेत्र शुष्क होने के कारण, वर्षा जल को संग्रहित करने और इसे शहर तक ले जाने के लिए विस्तृत व्यवस्था करनी पड़ी। इस तरह का सबसे महत्वपूर्ण तालाब पंद्रहवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बनाया गया था और अब इसे कमलापुरम तालाब कहा जाता है। हिरिया नहर अवशेषों के बीच देखी जाने वाली सबसे प्रमुख जल संरचनाओं में से एक है। यह नहर तुंगभद्रा पर बने एक बांध से पानी प्राप्त करती थी और खेती योग्य घाटी को सिंचित करती थी।

Q 83. निम्नलिखित स्थलों पर विचार कीजिए:

1. कंधार
2. मानशेरा
3. कालसी
4. मेरठ

उपर्युक्त स्थानों में से वह कौन से स्थान हैं जहाँ अशोक काल के प्रमुख शिलालेख पाए गए हैं?

(a) केवल 1, 3 और 4

(b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 2 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (b)

व्याख्या:

- राजा अशोक (भारतीय मौर्य वंश के तीसरे शासक) को भारतीय इतिहास में सबसे अनुकरणीय शासकों में से एक माना जाता है।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- वर्ष 1837 में जेम्स प्रिंसेप को दिल्ली में अशोक शासन काल के एक बड़े पत्थर के खंभे पर लगे एक प्राचीन शिलालेख को समझने में सफलता प्राप्त हुई। इसी तरह के शिलालेखों वाले कई अन्य स्तंभ और शिलालेख (प्रमुख और छोटे) पूरे भारत, नेपाल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 30 से अधिक स्थानों पर फैले हुए पाए गए थे।
- अशोक की नीति और उसके धम्म के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले लगभग 14 प्रमुख शिलालेख हैं। ये 14 प्रमुख शिलालेख कंधार (कंधार), मानशेरा, शाहबाजगढ़ी, कलसी, गिरनार, सोपारा, सन्नती, जौगाड़ा, शिशुपालगढ़ आदि प्राचीन स्थलों में पाए गए हैं।
- मेरठ स्तंभ (शिलालेख नहीं) अब दिल्ली में स्थित है। इसे फ़िरोज़ शाह द्वारा मेरठ से दिल्ली स्थानांतरित किया गया और दिल्ली के उत्तरी रिज में एक स्थान पर स्थापित किया गया। अत: विकल्प (b) सही है|

Q 84. एक सूफी संत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह बाबा फरीद के सबसे प्रसिद्ध शिष्य थे।
2. वह दिल्ली को चिश्ती सिलसिले का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के लिए जिम्मेदार थे।
3. वह शासकों और अमीरों की संगति से दूर रहना पसंद करते थे और राज्य से अलग रहते थे।

उपर्युक्त कथनों में निम्नलिखित में से किस सूफी संत का वर्णन किया गया है?

(a) शेख निज़ामुद्दीन औलिया
(b) शेख नसीरुद्दीन महमूद
(c) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(d) अजोधन के शेख फरीदुद्दीन

उत्तर (a)

व्याख्या:

- चिश्ती सिलसिले की स्थापना ख्वाजा चिश्ती नामक गाँव (हेरात के निकट) में हुई थी। भारत में, चिश्ती सिलसिले की स्थापना ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (जन्म लगभग 1142) ने की थी, जो 1192 के आसपास भारत आए थे। उन्होंने अजमेर को अपनी शिक्षा का मुख्य केंद्र बनाया।
- बाबा फरीद के सबसे प्रसिद्ध शिष्य शेख निज़ामुद्दीन औलिया (1238-1325) दिल्ली को चिश्ती सिलसिले का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के लिए जानेजाते थे।
- वह 1259 में दिल्ली आये और दिल्ली में अपने साठ वर्षों के दौरान उन्होंने सात सुल्तानों का शासनकाल देखा।
- वह शासकों और अमीरों की संगति से दूर रहना पसंद करता था और राज्य से अलग रहता था।
- उनके लिए त्याग का अर्थ गरीबों को भोजन और कपड़े बांटना था। उनके अनुयायियों में प्रसिद्ध लेखक अमीर खुसरो भी थे। अत: विकल्प (a) सही है|

Q 85. निम्न पर विचार कीजिए:

1. अरामाइक लिपि
2. खरोष्ठी लिपि
3. ब्राह्मी लिपि

उपर्युक्त में से कितनी लिपि सही है/हैं जिनमें अशोक के शिलालेख लिखे गए थे?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (c)

व्याख्या:

- अशोक के शिलालेख चार अलग-अलग लिपियों में लिखे गए थे। अफगानिस्तान क्षेत्र में वे ग्रीक और अरामी भाषा और लिपियों में तथा पाकिस्तान क्षेत्र में प्राकृत भाषा और खरोष्ठी लिपि में लिखी जाती थीं। अन्य सभी क्षेत्रों के शिलालेख प्राकृत भाषा में हैं, जो ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- अत: विकल्प (c) सही है |

Q 86. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

सूची I	**सूची II**
अध्यक्ष	जिला प्रशासन का प्रमुख
युक्ता	अधीक्षक
प्रादेशिक	राजा के राजस्व का प्रभारी अधिकारी

उपरोक्त में से कितने युग्म सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

व्याख्या:

क्र.सं.	सूची I	सूची II
1.	अध्यक्ष	अधीक्षक, बड़ी संख्या में अधीक्षक, जैसे- सोना, भंडार गृह, वाणिज्य, कृषि, जहाज, गाय, घोड़े, हाथी, रथ, पैदल सेना, पासपोर्ट, शहर, आदि के अधीक्षक।
2.	युक्ता	राजा के राजस्व का प्रभारी अधिकारी, जो अधीनस्थ अधिकारी था।
3.	प्रादेशिक	जिला प्रशासन का प्रमुख जो अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों के प्रशासन का निरीक्षण करने के लिए हर पांच साल में पूरे जिले का दौरा करता था।

अत: विकल्प (d) सही है |

Q 87. सातवाहनों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

सूची I	**सूची II**
ज्येष्ठ	जिले
अहार	राजा के सलाहकार
अमात्य	शिल्प व्यवसाय का मुखिया

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (d)

व्याख्या:

क्र.सं.	सूची I	सूची II
1.	ज्येष्ठा	शिल्प व्यवसाय का प्रमुख
2.	अहारस	जिले; सातवाहन साम्राज्य को उपविभागों में विभाजित किया गया था जिन्हें आहार या राष्ट्र कहा जाता था, जिसका अर्थ था जिले।
3.	अमात्य	मंत्री या राजा के सलाहकार

Q 88. तीनों संगम (तमिल कवि अकादमी) निम्नलिखित में से किस राजवंश के संरक्षण में अलग-अलग स्थानों पर हुए थे?

(a) चोल

(b) मौर्य

(c) पांड्य

(d) चेर

उत्तर (c)

व्याख्या:

- संगम युग दक्षिण भारत के प्रारंभिक इतिहास के उस काल को संदर्भित करता है जब कई लेखकों द्वारा तमिल में बड़ी संख्या में कविताओं की रचना की गई थी। संगम शब्द तमिल कवियों की एक सभा या "एक साथ बैठक" को संदर्भित करता है। तीनों संगम मदुरै के पांड्य राजाओं के संरक्षण में अलग-अलग स्थानों पर हुए।
- अत: विकल्प (c) सही हैं |

Q 89. संगम युग के सामाजिक वर्ग से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अरासारों के पास ज़मीन के बड़े हिस्से थे और उन्होंने कृषक वर्ग का गठन किया था।
2. कृषि कार्य सामान्यतः कैदसियार द्वारा किये जाते थे।
3. संगम युग में सामाजिक असमानताएँ मौजूद नहीं थीं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संगम युग में, शासक जाति को अरासर कहा जाता था और इसके सदस्यों के वल्लालास के साथ विवाह संबंध थे, जो चौथी जाति का गठन करते थे। वल्लालास के पास ज़मीन का बड़ा हिस्सा था और इस तरह किसान वर्ग का गठन हुआ, जो अमीर और गरीब में विभाजित था।

- **कथन 2 सही है:** अमीर लोग स्वयं ज़मीन नहीं जोतते थे बल्कि इस उद्देश्य के लिए मजदूरों को नियुक्त करते थे। कृषि कार्य आम तौर पर निम्नतम वर्ग (कदैसियार) की महिलाओं द्वारा किया जाता था, जिनकी स्थिति दास से कुछ भिन्न होती थी।
- **कथन 3 गलत है:** संगम युग में तीव्र सामाजिक असमानताएँ थीं। कई बहिष्कृत और वन जनजातियाँ अत्यधिक गरीबी से पीड़ित थीं और गरीबी से जूझ रही थीं। अमीर ईंट और गारे के घरों में रहते थे, और गरीब झोपड़ियों और छोटी इमारतों में रहते थे। शहरों में अमीर व्यापारी अपने घरों की ऊपरी मंजिल में रहते थे।

Q 90. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस्लामी ग्रंथों में सूफ़ीवाद के लिए प्रयुक्त शब्द तसव्वुफ़ है।
2. सूफी एक धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के खिलाफ थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: सूफीवाद उन्नीसवीं सदी में गढ़ा गया एक अंग्रेजी शब्द है। इस्लामी ग्रंथों में सूफ़ीवाद के लिए प्रयुक्त शब्द तसव्वुफ़ है।

कथन 2 सही है: इस्लाम की प्रारंभिक शताब्दियों में धार्मिक विचारधारा वाले लोगों का एक समूह (जिन्हें सूफी कहा जाता था) खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के विरोध में एक धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में तपस्या और रहस्यवाद की ओर मुड़ गए।

Q 91. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

पद	**विवरण**
वेल्लार	धनी किसान
उझावर	दास
आदिमाई	हल चलाने वाले

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

व्याख्या:

ग्रामीण समाज में अंतर:

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

प्रारंभिक तमिल साहित्य (संगम ग्रंथ) गाँवों में रहने वाले लोगों के विभिन्न वर्गो का उल्लेख करता है – धनी किसान (वेल्लार), हल चलाने वाले किसान (उझावर), और दास (अदिमाई)। यह संभव है कि ये वर्गीकरण भूमि, श्रम और कुछ नई तकनीकों तक पहुंच पर आधारित थे।। ऐसी स्थिति में, भूमि पर नियंत्रण के प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए होंगे, क्योंकि कानूनी ग्रंथों में अक्सर इन पर चर्चा की जाती थी।

अत: विकल्प (a) सही है |

Q 92. निम्नलिखित में से कौन सा/से ग्रंथ की रचना अश्वघोष द्वारा की गई थी?

1. सौन्दरनंद
2. बुद्धचरित
3. मिलिंद पन्हो

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 2

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर (b)

व्याख्या:

अश्वघोष:

- अश्वघोष एक महायान विद्वान और कवि थे, जिनका जीवनकाल पहली से दूसरी शताब्दी तक था| मूल रूप से ब्राह्मणवाद के अनुयायी और विद्वान थे , उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था। वह एक उत्कृष्ट कवि, संगीत के उत्कृष्ट संगीतकार और साहित्यिक कृतियों के लेखक के रूप में प्रतिष्ठित थे। उन्होंने कुषाण राजा कनिष्क के संरक्षण में उत्तरी भारत में बौद्ध धर्म का प्रचार- प्रसार किया था। उन्होंने बुद्धचरित और सौन्दरनन्दम् जैसे महाकाव्यो की रचना की थी।
- बुद्धचरित, बुद्ध के जीवन का वर्णन करता है और इसे भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृति माना जाता है।
- सौन्दरनन्दम्, बुद्ध के चचेरे भाई नंदा की कहानी है, जिसने अपनी प्यारी और सुंदर पत्नी से अपना रिश्ता तोड़ दिया और एक भिक्षु बन गये थे।
- मिलिंद पन्हो एक बौद्ध ग्रंथ है जो 100 ईसा पूर्व और 200 ईस्वी के बीच का है। इसका उद्देश्य बौद्ध ऋषि नागसेन और बैक्ट्रिया के इंडो-ग्रीक राजा मेनेंडर प्रथम (पाली: मिलिंद) जिन्होंने ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में शासन किया था,के बीच का संवाद |
- अत: विकल्प (b) सही है।

Q 93. निम्नलिखित स्थितयों पर विचार कीजिये:

1. पश्चिमी समुद्री बंदरगाहों पर नियंत्रण
2. उपजाऊ एवं आबादी वाले क्षेत्र
3. इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सोना और चांदी
4. क्षेत्र में लौह खनन

दिल्ली सल्तनत के शासकों द्वारा गुजरात और मालवा क्षेत्रों में कई अभियान शुरू करने के लिए उपरोक्त में से कौन से कारण थे?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (a)

व्याख्या:

- दिल्ली सल्तनत के शासकों द्वारा गुजरात और मालवा क्षेत्रों में अभियान शुरू करने के कारण थे:
- यह क्षेत्र उपजाऊ और आबादी वाला था
- पश्चिमी समुद्री बंदरगाहों की उपस्थिति से विदेशी व्यापार में आसानी, विशेषकर इराक, अरब और तुर्की से घोड़ों के व्यापार में।
- क्षेत्रों में भारी व्यापार के कारण, गुजरात और मालवा क्षेत्रों के शासकों और व्यापारियों ने बड़ी मात्रा में सोना और चांदी जमा कर लिया।
- गुजरात और मालवा क्षेत्र लौह खनन के लिए प्रसिद्ध नहीं थे।
- अत: विकल्प (a) सही है |

Q 94. मध्यकालीन भारत के संदर्भ में, 'करोरी प्रयोग' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) सैन्य प्रशासन

(b) धार्मिक व्यवस्था

(c) राजस्व प्रशासन

(d) चित्रकला शैली

उत्तर (c)

व्याख्या:

- करोरी प्रयोग के अंतर्गत सभी प्रांतों का मापन हुआ था। हेम्पेन रस्सियों के स्थान पर लोहे के छल्ले वाली बांस की छड़ें, जिन्हें तनब कहा जाता था, का उपयोग किया जाता था।
- विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित उत्पादकता और कीमतों के आधार पर उन्हें राजस्व उद्देश्यों के लिए दस्तूर सर्कल में विभाजित किया गया था।
- अत: विकल्प (c) सही है।

Q 95. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 1575 ई. में अकबर ने दिल्ली में इबादत खाना का निर्माण करवाया था।
2. शेख मुबारक अकबर के समकालीन थे।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) दोनों 1 और 2

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 ग़लत है:** 1575 ई. में, उसने अपनी नई राजधानी फ़तेहपुर सीकरी में इबादत खाना (प्रार्थना कक्ष) का निर्माण करवाया था, जिसमें अकबर ने हिंदू धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म और पारसी धर्म जैसे सभी धर्मों के विद्वान विद्वानों को आमंत्रित किया और उनके साथ धार्मिक चर्चाएं कीं।
- **कथन 2 सही है:** तीन महान विद्वानों और उदार विचारधारा वाले सूफियों यानी शेख मुबारक और उनके बेटों फ़ैज़ी और अबुल फ़ज़ल ने अकबर के धार्मिक दृष्टिकोण पर जबरदस्त प्रभाव डाला था।

Q 96. मदुरै (पांड्यों की राजधानी) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह बढ़िया कपड़ा और हाथी दांत के काम का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।
2. संगम कविताओं में मदुरै का वर्णन दीवार से घिरे एक बड़े शहर के रूप में किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) दोनों 1 और 2

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या:

- कथन 1 और 2 सही हैं: पांड्यों की राजधानी मदुरै का वर्णन संगम कविताओं में एक दीवार से घिरे एक बड़े नगर के रूप में किया गया है। यह उच्च गुणवता के कपडो और हाथी दांत के काम का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में कोरकाई, एक महत्वपूर्ण पंड्या बंदरगाह था। यह अपने मोतियों के लिए प्रसिद्ध था।

Q 97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मराठों ने संगठित न्यायिक विभाग का विकास किया।
2. पेशवा के अधीन मराठों की सैन्य शक्ति में गिरावट आई।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) दोनों 1 और 2

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** मराठा किसी भी संगठित न्यायिक विभाग को विकसित करने में विफल रहे। ग्रामीण स्तर पर, दीवानी मामलों की सुनवाई गाँव के बुजुर्गों (पंचायत) द्वारा पाटिल के कार्यालय या गाँव के मंदिर में की जाती थी। आपराधिक मामलों का फैसला पाटिल द्वारा किया जाता था।
- **कथन 2 सही है:** पेशवाओं के अधीन अनुशासन ख़त्म हो गया था। मराठा सेनाएँ अब विलासिता और आराम से परिपूर्ण थीं। इससे पेशवाओं के अधीन मराठों की सैन्य ताकत में स्पष्ट गिरावट देखी गई।

Q 98. कालिदास को सर्वकालिक महान संस्कृत कवि और नाटककार माना जाता है। निम्नलिखित में से कौन सा कालिदास द्वारा लिखित नाटक है?

1. रघुवंशम्
2. कुमारसम्भवम्
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
4. विक्रमोर्वशीयम्
5. मालविकाग्निमित्रम्

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1, 2, 3 और 4

(c) केवल 3, 4 और 5

(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर (c)

व्याख्या:

- कालिदास के प्रसिद्ध नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् ("शकुंतला की पहचान"), विक्रमोर्वशीयम् ("वेलोर द्वारा उर्वशी की विजय"), और मालविकाग्निमित्रम् ("मालविका और अग्निमित्र") हैं।
- कालिदास की महाकाव्य कविताएँ रघुवंश ("रघु का राजवंश") और कुमारसंभव ("युद्ध भगवान का जन्म") हैं; और गीत "मेघदूत" ("क्लाउड मैसेंजर")।
- अत: विकल्प (c) सही है।

Q 99. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गुरु नानक देव ने वेदों के प्रमाण को अस्वीकार कर दिया।
2. गुरु गोबिंद सिंह ने ईश्वर की परिकल्पना निर्गुण और निरंकार के रूप में की।
3. गुरु रामदास ने मल्ल अखाड़े की परंपरा शुरू की।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** गुरुनानक ने वेदों के प्रमाण को अस्वीकार कर दिया और ईश्वर के सर्वोच्च, सार्वभौमिक, सर्वशक्तिमान, सत्यवादी, निराकार, निडर, घृणा रहित, स्वयं-विद्यमान, सभी चीजों के शाश्वत निर्माता, अविनाशी और परम सत्य का प्रचार किया।
- **कथन 2 ग़लत है:** गुरु नानक देव ने ईश्वर की अवधारणा निर्गुण और निरंकार (निराकार) के रूप में की।
- **कथन 3 गलत है:** गुरु अंगद का असली नाम भाई लहणा था। उन्होंने भौतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए मल्ल अखाड़े की परंपरा शुरू की। उन्होंने पंजाबी भाषा की गुरुमुखी लिपि को मानकीकृत और लोकप्रिय बनाया।

Q 100. गुप्ता साम्राज्य के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

सूची I	**सूची II**
विनयस्थितिस्थापक	पुरोहित
महासंधिविग्रहिका	विदेश मंत्री
दंडपासिक	पुलिस विभाग का अधीक्षक

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर (c)

व्याख्या:

- गुप्तों के अधीन महत्वपूर्ण मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी इस प्रकार हैं:
- **युग्म 1 सही है:** विनयस्थितिष्ठपक: वह पहले के समय के एक प्रकार के पुरोहित थे। नीतिसार में कामन्दक ने राजगुरु का उल्लेख किया है। उसे मंत्रिपरिषद के निर्णयों को प्रभावित करने का अधिकार दिया गया।
- **युग्म 2 सही है:** महासंधिविग्रहिका: वह विदेश मंत्री था और राजा और सैन्य विभाग के साथ निकट सहयोग में काम करता था।
- **युग्म 3 सही है:** दण्डपासिक: वह पुलिस विभाग का अधीक्षक था।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR